हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 9 फरवरी 2025

11 दिल्ली में भाजपा की ऐतिहासिक जीत, कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

12 फतेहाबाद में मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे कर्मचारी...

खबर संक्षेप

लाखों की सरसों चुराने के मामले में 5 काबू

फतेहाबाद। भट्ठ अनाज मण्डी से लाखों की सरसों से लदी गाड़ी चोरी करने के मामले में तुरंत एक्शन लेते हुए भट्ठकलां पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए युवकों की पहचान पवन पुत्र राजाराम निवासी हनुमानगढ़, नाजर पुत्र मोहम्मद रफी, शादीराम पुत्र दयाचंद, संतलाल पुत्र मानाराम व गुगनराम पुत्र श्रीचंद निवासी भादरा के रूप में हुई है। भट्ठकलां थाना प्रभारी एसआई कुलदीप सिंह ने बताया कि इस बारे भट्ठकलां पुलिस ने 7 फरवरी को सीताराम निवासी भट्ठकलां की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसने सीएमएस गोदाम, भट्ठ से अपनी गाड़ी में 765 बैग सरसों के लोड किए थे, जिनका वजन 351.30 क्विंटल था।

श्री हरिमंदिर साहिब में लंगर सेवा 4 मार्च को

रतिया। श्री हरिमंदिर साहिब, अमृतसर साहिब स्थित श्री गुरु रामदास जी के लंगर में सेवा क्षेत्र की संगत की सेवा 4 और 5 मार्च को होगी। इसके संबंध में गुरुद्वारा साहिब पुराना में श्री गुरु रामदास जी सेवा सोसायटी की बैठक प्रधान जगसीर सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक की जानकारी देते हुए सचिव हैप्पी सिंह सेठी ने बताया कि लंगर सेवा के संबंध में कुछ दिनों में क्षेत्र में सेवा को लेकर प्रचार अभियान की शुरुआत की जाएगी ताकि संगत बड़ी संख्या में श्री हरिमंदिर साहिब में सेवा कर सके। इस मौके पर रणजीत सिंह भानीखेड़ा, चरणजीत सिंह, शंटी सिंह, सर्वजीत सिंह, बंटी सिंह, मनविंद्र सिंह सिंह सहित सेवादार मौजूद रहे।

12 की मौत पर शोक जताने पहुंची सांसद सैलजा

रतिया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद कुमारी सैलजा ने शनिवार को रतिया क्षेत्र के गांव महमड़ा में पहुंचकर भाखड़ा नहर में वाहन गिरने की दुखद दुर्घटना में 12 लोगों के निधन पर आयोजित अंतिम अरदास में शामिल हुए। कुमारी सैलजा ने शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी और ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही उन्होंने कहा कि मानवीय भूल के चलते इतना बड़ा हादसा हुआ, सरकार को इससे सबक लेते हुए नहरों के पुल की रैलिंग, सुरक्षा दीवार बनाने और रिफलेक्टर लगाने चाहिए।

खड़े ट्रक से बैटरी चुराने वाला युवक काबू

सिरसा। पुलिस ने ऑटो मार्केट सिरसा क्षेत्र में खड़े ट्रक की बैट्री चोरी करने वाले युवक कोकाबू कर लिया है। शहर थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर सत्यवान ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान रोहित कुमार उर्फ सन्नी पुत्र रामजी दास निवासी गली नंबर 6 भारत नगर के रुप में हुई है। शहर थाना प्रभारी ने बताया कि मनप्रीत सिह पुत्र कुलवन्त सिंह ने बतलाया था कि 21 जनवरी को वह अपने ट्रक को खड़ा करके घर चला गया था। और जब 5 फरवरी को आकर चेक किया गाड़ी की बैट्री गायब मिली।

मैच देखने गए युवक की मोटरसाइकिल चोरी

ओढां। गांव जलालआना में आयोजित खेल प्रतियोगिता देखने गए एक युवक का मोटरसाइकिल चोरी हो गया। पुलिस को दी गई शिकायत में सुखजिंदर सिंह पुत्र गुरदीप सिंह ने बताया कि वह 2 फरवरी को गांव के स्टेडियम में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता देखने गया था। जब वह बाहर आया तो उसका मोटरसाइकिल गायब था। इस सम्बंध में ओढ़ा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है।

विकास बिल्ड मार्ट में प्लाटों की खरीद-फरोख्त पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

खास बातें

- दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा विकास बिल्ड मार्ट के विवाद में आर्बिटेटर किया नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। हिसार रोड पर कटी कालोनी। (फाइल फोटो)

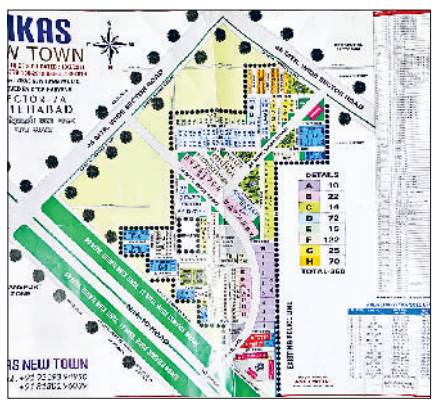

फतेहाबाद शहर में धड़ल्ले से कट रही प्राइवेट रिहायशी कालोनियों को लेकर नित नया विवाद सामने आ रहा है। पहले सोमा-1 का लाइसेंस रद्द हुआ तो उसके बाद सोमा वालों ने सोमा-2 अब विकास बिल्ट मार्ट के नाम से 55 एकड़ में कालोनी काटकर बेच डाली लेकिन यहां कालोनी में प्लाट बेचने वाले पैरोकार या सर्वोसर्वा के निजी हित के चलते कालोनी के प्लाटधारकों की जेब कटती आ रही है या प्लाट धारक अपने को ठगा-सा महसूस कर रहे हैं। अब हिसार रोड पर कटी कालोनी विकास बिल्ट मार्ट का नया विवाद सामने आया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस कालोनी में प्लाटों की खरीद-बेच पर रोक लगा दी है। इसकी मुख्य वजह विकास बिल्ट मार्ट कम्पनी द्वारा सोमा न्यू टाऊन प्राइवेट लि. की 30 करोड़ की बैंक गारंटी जमा न करवाना है। इतना ही नहीं, हाईकोर्ट ने विवाद निपटाने के लिए आर्बिटेटर की भी नियुक्ति की है। जब तक इस कालोनी के विवाद का निपटारा नहीं होता, तब तक प्लाट धारकों के प्लाटों के दाम धड़ाम से नीचे गिर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमा न्यू टाऊन प्राईवेट लि. और विकास बिल्ड मार्ट के बीच बैंक गारंटी को लेकर विवाद चल रहा है। यह मामला पिछले दिनों दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा तो हाईकोर्ट ने प्लाटों की खरीद बेच पर रोक लगा दी है और आर्बिटेटर की नियुक्ति कर दी। बता दें कि फतेहाबाद में हिसार रोड पर नए बस स्टैंड के सामने सोमा न्यू टाऊन प्राईवेट लि. ने विकास बिल्ड मार्ट के नाम से 55 एकड़ में रिहायशी कॉलोनी काटी थी। बाद में जिला फतेहाबाद के कुछ कालोनाईजरों ने सोमा से इस कॉलोनी को खरीद लिया। तय शर्तों के मुताबिक कालोनाईजर को टाऊन एंव कट्री प्लानिंग में सोमा द्वारा दी गई लगभग 30 करोड़ की बैंक गारंटी रिलीज करवानी थी। नए कालोनाईजरों द्वारा अपनी तरफ से बैंक गारंटी दी जानी थी। जिसके बाद सोमा न्यू टाऊन की बैंक गारंटी रिलीज हो जाती लेकिन यहां के पैरोकार व सर्वोसर्वा बने कॉलोनाईजरों ने ऐसा न करके 30 करोड़ की अदायगी नहीं की और प्लाटों की बिक्री करते रहे।

इस पर सोमा न्यू टाऊन ने दिल्ली हाईकोर्ट में विकास बिल्ड मार्ट के विरुद्ध केस दायर कर दिया। कोर्ट ने विकास बिल्ड मार्ट को बैंक गारंटी की हल्फनामा दायर करने के आदेश दिए लेकिन तय समय पर जब विकास बिल्ड मार्ट बैंक गारंटी जमा नहीं करवा पाया तो अब दिल्ली हाईकोर्ट ने विकास बिल्ड मार्ट के प्लाटों की बिक्री पर रोक लगा दी है। 20 नवंबर को हुई मामले की सुनवाई में कालोनाईजर ने कोर्ट में कहा कि यह विवाद आर्बिटरेशन एक्ट के तहत आता है इसलिए विवाद को सुलझाने के लिए आर्बिटेटर नियुक्त किया जाए। कोर्ट ने दोनों पक्षों के विवाद के निपटारे के लिए सेवानिवृत न्यायाधीश जयंत नाथ को आर्बिटेटर नियुक्त किया है। कोर्ट ने कहा कि जब तक विवाद का निपटारा नहीं होता कोर्ट के अंतरिम आदेश लागू रहेंगे।

प्रदेश सरकार ने आरक्षित क्षेत्रों के रखरखाव के लिए बनाई कमेटियां

फतेहाबाद में काला हिरण और दुर्लभ कछुओं का होगा संरक्षण

- काला हिरण के लिए धांगड़, दुर्लभ कछुओं के लिए काजलहेड़ी और मोर और काला तीतर के लिए माजरा को 5 साल पहले घोषित किया था आरक्षित क्षेत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। आरक्षित क्षेत्र में विचरण करते हिरण तथा आरक्षित क्षेत्र में दुर्लभ कछुओं को देखने पहुंचे लोग। फोटो : हरिभूमि

फतेहाबाद जिले के तीनों सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र की प्रबंधन कमेटी का सरकार द्वारा नोटिफिकेशन जारी किया गया है। तीनों सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र में मंडलीय वन्य जीव अधिकारी हिसार अध्यक्ष रहेंगे, जिला वन्य प्राणी निरीक्षक फतेहाबाद को सदस्य सचिव बनाया गया है वहीं वन्य जीव रक्षक विनोद कड़वासरा इस कमेटी के सदस्य रहेंगे। बता दें कि जिला फतेहाबाद में वन्य जीव के संरक्षण को लेकर वर्ष 2019 में हरियाणा सरकार द्वारा नोटिफिकेशन करके गांव धांगड़ में राज्य पशु काला हिरण के संरक्षण के लिए अमर शहीद अमृता देवी मेमोरियल सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया। इसी प्रकार गांव काजल हेड़ी में दुर्लभ कछुओं के संरक्षण के लिए श्री गुरु गोरखनाथ सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया और गांव ढाणी माजरा में राष्ट्रीय पक्षी मोर और राज्य पक्षी काला तीतर के संरक्षण के लिए श्री गुरु जंभेश्वर सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया। इससे पहले फतेहाबाद जिला में कोई भी वन्य जीव संरक्षित क्षेत्र नहीं था। गांव बड़ोपल से प्रसिद्ध वन्य जीव संरक्षणवादी विनोद कड़वासरा ने वर्ष 2018 से इसको लेकर प्रयास शुरू किए और जिले के लगभग 40 गांव का अध्ययन करके सूची तैयार की गई। उन्होंने इसे तत्कालीन जिला उपायुक्त के समक्ष प्रस्ताव रखा कि जिले में वन्यजीवों के संरक्षण के लिए आरक्षित क्षेत्र होने चाहिए और फतेहाबाद जिले में बिश्नोई समाज बहुल इलाकों में दुर्लभ वन्य जीव विचरण करते हैं, जिनके संरक्षण में सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। जिला प्रशासन ने पहले चरण में गांव काजलहेड़ी, धांगड़ और ढाणी माजरा का चुनाव करके ग्राम सभाओं की बैठक आयोजित की गई। लगभग 1 साल बाद सरकार ने जून 2019 में फतेहाबाद जिले में तीन सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र घोषित किया। फतेहाबाद जिले में तीन सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र घोषित होने के बाद हरियाणा में आरक्षित क्षेत्र की संख्या 16 हो गई। सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र घोषित होने के बाद वन्य प्राणी संरक्षण कानून अनुसार प्रबंधन समिति का गठन किया जाना होता है, जिसमें कम से कम पांच सदस्य से लिए जाते हैं, एक पर्यावरणविद्, वन्य जीव संरक्षक और एक सदस्य सचिव के रूप में वन्य प्राणी विभाग का प्रतिनिधि होता है। वर्ष 2023 में विनोद कड़वासरा और अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के अन्य पदाधिकारी कई बार वन मंत्री और वन्य प्राणी विभाग के अधिकारियों से मिले, मुख्यमंत्री से भी मीटिंग की। इसके बाद अब ग्राम पंचायत द्वारा भेजे गए प्रस्ताव अनुसार सरकार ने तीनों सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र की प्रबंधन कमेटी का नोटिफिकेशन जारी किया गया है।

तीनों कमेटियों में यह होंगे सदस्य

इसके अलावा शहीद अमृता देवी मेमोरियल सामुदायिक आर्थिक क्षेत्र गांव धांगड़ की प्रबंधन समिति में विनोद कुमार काकड़, सरपंच सुनील, छोटेलाल जस्सू, सुनील खीचड़, अनिल सिहाग, संदीप सिहाग और शिवकुमार को कमेटी का सदस्य बनाया गया है। गांव ढाणी माजरा में श्री गुरु जंभेश्वर सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र की प्रबंधन समिति में चौथाराम काकड़, हवा सिंह, सुभाष भादू, सुभाष जांगड़ा, रामकुमार, अनिल बेनीवाल तथा नेकीराम को सदस्य नियुक्त किया गया है। श्री गुरु गोरखनाथ सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र गांव काजल हेड़ी की प्रबंधन कमेटी में जगतपाल, अग्रसेन, विनोद कुमार, कालूराम, नरेश, लखमीचंद को सदस्य नियुक्त किया गया है।

सिरसा। नगर परिषद चुनावों को लेकर कांग्रेस भवन में आयोजित बैठक में भाग कांग्रेस नेता। फोटो : हरिभूमि

नगर निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस ने मांगे आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नगर परिषद चुनावों को लेकर स्थानीय कांग्रेस भवन में शनिवार को बैठक हुई। इस बैठक में पार्टी के अनेक नेताओं ने भाग लिया। बैठक में नगरपरिषद चुनाव कन्वीनर राजकुमार शर्मा, संयुक्त कन्वीनर नवीन केडिया, वरिष्ठ नेता वीरभान मेहता, प्रवक्ता आनंद बियानी, नगरपरिषद के पूर्व प्रधान रणधीर सिंह, वरिष्ठ नेता गजानन सोनी, ओम डाबर, हरीश मेहता, नगर पार्षद ख्यालीराम आदि मौजूद थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि नगरपरिषद अध्यक्ष एवं पार्षद चुनाव लडने के इच्छुक उम्मीदवार आगामी 10 फरवरी तक कांग्रेस के कार्यालय सचिव संगीत सोनी को स्थानीय कांग्रेस भवन में अपना आवेदन बायोडाटा सहित जमा करवाएं। मीटिंग में यह भी फैसला लिया गया कि प्राप्त आवेदनों पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, सांसद, पूर्व सांसद, विधायक व हल्का के विधायकों, पूर्व विधायकों से सलाह मशवरा करके उम्मीदवारों के नाम फाइनल किए जाएंगे। चुनाव कन्वीनर राजकुमार शर्मा ने कहा कि नगरपरिषद चुनावों में कांग्रेस विजयी पताका फहराएगी।

भूगोल प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में जीएनसी की टीम तृतीय

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के भूगोल विभाग द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय भूगोल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में राजकीय नेशनल महाविद्यालय के भूगोल विभाग की टीम ने तृतीय स्थान पाया। डॉ. हरविंद्र सिंह ने बताया कि महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य प्रो. हरजिंद्र सिंह के संरक्षण व भूगोल विभाग के विस्तार व्याख्याता सुभाष चंद्र व राजकुमार के संयोजन में सुमित पारीक, अनीता एवं पीयूष पर आधारित टीम ने इस प्रतियोगिता में सहभागिता दर्ज करवाते हुए यह उपलब्धि अर्जित की। इस टीम को सीएमआरजी राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडियाखेड़ा के सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो. अशोक भाटिया व जीएनसी सिरसा के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. प्रेम कंबोज की उपस्थिति में महाविद्यालय प्रशासन द्वारा पुरस्कृत किया गया।

आढ़ती एसोसिएशन की बैठक में नहीं बनी सहमति, होंगे चुनाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। बैठक को संबोधित करते प्रधान मनोहर मेहता। फोटो : हरिभूमि

आढ़ती एसोसिएशन सिरसा की आम सभा की बैठक बीती शाम जनता भवन स्थित एसोसिएशन के कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोहर लाल मेहता ने की जिसमें उपप्रधान प्रेम बजाज, सचिव दीपक मित्तल, कोषाध्यक्ष कुणाल जैन, सहसचिव महावीर शर्मा सहित बड़ी संख्या में आढ़ती मौजूद थे। बैठक में प्रधान मनोहर मेहता ने कहा कि आढ़ती एसोसिएशन का कार्यकाल पूरा हो रहा है। बैठक में मौजूद एक दर्जन आढ़तियों ने मौजूदा कार्यकारिणी को ही फिर से सर्वसम्मति से चुनने का सुझाव दिया। कुछ आढ़तियों ने चुनाव करवाने की सलाह दी। बैठक में सर्वसम्मति बनाने या फिर चुनाव करवाने के मसले पर मंथन किया गया, लेकिन सर्वसम्मति नहीं बन सकी, जिस पर निर्णय लिया गया कि चुनाव करवाए जाएंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा ने टोहाना में किया प्रदर्शन राज्यसभा सांसद सुभाष बराला को सौंपा ज्ञापन

- कृषि व्यापार पर राष्ट्रीय प्रारूप व प्रीपेड बिजली मीटर लगाने की नीति रद्द करे भाजपा सरकार : संयुक्त मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

टोहाना। प्रदर्शन कर राज्यसभा सांसद के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपने जाते संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आज टोहाना में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के घर के बाहर प्रदर्शन किया और उनके प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा। मोर्चा ने मांग की है कि सांसद किसानों की वास्तविक मांगों का समर्थन करें, जिसमें प्रस्तावित किसान विरोधी, राज्य सरकार विरोधी 'कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति प्रारूप' को निरस्त करना और एसकेएम के साथ किए लिखित वायदे को पूरा करने का आग्रह करना शामिल है। संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक जगतार सिंह बताया कि 1 फरवरी को वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट में किसानों और खेत मजदूरों की बुनियादी मांग को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने कृषि विपणन पर एक नया राष्ट्रीय नीति ढांचा का प्रारूप एनपीएफएएम जारी किया है, जो 3 कृषि कानूनों की पुनर्वापसी है। इस मसौदे का उद्देश्य सभी कृषि गतिविधियों को निजी निगमों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के नियंत्रण में लाना है।

धार्मिक आयोजन | **श्री श्याम बगीची स्थापना महोत्सव का आयोजन**

गणेश पूजन, मेहंदी रस्म और भजन संध्या का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। भजनों की प्रस्तुति देते हुए गायक। फोटो : हरिभूमि

अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से मंदिर के तीसरे 12 दिवसीय स्थापना महोत्सव का शुक्रवार शाम को गणेश पूजन, मेहंदी रस्म व भजन संध्या के साथ शुभारंभ हुआ। मंदिर के मुख्य सेवक पवन गर्ग ने बताया कि मंदिर का तीसरा स्थापना महोत्सव 7 फरवरी से 18 फरवरी तक 12 दिन चलेगा। उन्होंने बताया कि कोलकाता से मंगवाए गए विशेष फूलों से बाबा श्याम का भव्य श्रृंगार किया गया। पूरी श्याम बगीची को बिजली चलित लडियों से सजाया गया। उन्होंने बताया कि महोत्सव के शुभारंभ पर प्रयागराज संगम से मंगवाए गए गंगाजल का बगीची परिसर में छिडक़ाव किया गया। इसके बाद श्यामप्रेमी आत्म प्रकाश वधवा ने गणेश पूजन किया। मंदिर के पुजारी राकेश शास्त्री, हितेश शर्मा व ललित शर्मा ने पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना संपन्न करवाई। इसके बाद श्री श्याम नाम की मेहंदी की रस्म हुई जिसमें महिला श्रद्धालुओं ने अपने हाथों पर श्याम नाम की मेहंदी रचाई। शाम सवा सात बजे बाबा श्याम की पवित्र ज्योत प्रज्जवलित की गई। राजेंद्र गनेरीवाला ने गणेश वंदना से भजन संध्या का आगाज किया। गनेरीवाला ने इसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ, भजन- लो आ गया मैं शरण तेरी, किस्मत वालों को मिलता है श्याम तेरा दरबार, मांगा है मैंने श्याम से वरदान एक ही सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए। इसके बाद कोलकाता से आए भजन गायक शिवम पंसारी ने बाबा श्याम के श्री चरणों में अपनी हाजिरी लगाई। शिवम पंसारी ने भजन- देना है तो दीजिए जन्म जन्म का साथ, कीर्तन की है रात बाबा आज थाणै आणो है, भर दे श्याम झोली भर दे, खटू वाले श्याम मेरी रखना लाज, मेरा सांवरिया आएगा मेरी बिगड़ी बनाएगा, मेरा श्याम रंगीला फागण आ गयो, साथी हमारा कोण बनेगा तूम ना सुनोगे तो कोण सुनोगा सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए। शिवम पंसारी द्वारा धमाल पर श्रद्धालुओं जमकर नाचे। रात साढ़े बजे बाबा श्याम को भोग लगाकर श्याम रसोई का प्रसाद वितरित किया गया।

श्री श्याम महोत्सव में श्रद्धालुओं ने लगाई भजन गंगा में डुबकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। धमाल पार्टी भजनों पर झूमते हुए

रानियां रोड स्थित श्री खाटू श्याम धाम में श्री श्याम परिवार ट्रस्ट द्वारा मनाए जा रहे 17वें स्थापना महोत्सव के तीसरे दिन शुक्रवार को श्री श्याम मंडपम में श्री श्याम भजन गंगा आयोजित की गई। बाबा के दरबार को सुंदर तरीके से विद्युत लडिय़ों व फूलों से सजाया गया। इस मौके पर कलकता से लाए गए फूलों व ड्राईफ्रूट से बाबा का अलौकिक दरबार सजाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के पुजारी रामशरण गौतम, उमेश गर्ग व विजेंद्र ने अखंड ज्योत से ट्रस्ट पदाधिकारी संजीव कुमार इटावा वाले सपरिवार से करवाया। शहनाई वादन से सभी भक्तों का स्वागत किया गया। भक्तों पर इत्र की वर्षा की गई। श्री श्याम भजन गंगा का आगाज श्याम सुंदर गुप्ता, राकेश वत्स व मनदीप व अन्य सदस्यों द्वारा गणेश वंदना से किया गया। मंदिर के प्रवक्ता दिपेश गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में कोलकता से पधारी संजू शर्मा ने भजनों का गुणगान किया। वहीं जयपुर से चंग धमाल पार्टी के साथ पधारे चेतन्य दाधीच के भजनों ने भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। देर रात्रि को बाबा को छप्पन भोग लगाया गया। अलसुबह आरती के बाद छप्पन भोग का प्रसाद श्रद्धालुओं को वितरित किया गया। इस मौके पर भव्य आतिशबाजी की गई। इस मौके पर भारत भूषण गुप्ता, सुनील गुप्ता, संजीव रातुसरिया, सुमित नुहियांवाली, रामकिशन तंवर, राजकुमार बागला, प्रदीप रातुसरिया, राजेश बंसल आदि अनेक श्रद्धालु मौजूद थे।

अलर्ट : 6 माह में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ने कराया 10-19% तक नुकसान

ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव दिखा ● सेंसेक्स और निफ्टी अपने पीक से 10% से ज्यादा कमजोर बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर ● मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ

बिजनेस डेस्क

इस बार स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर पड़ा है। 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ऐसे हैं, जिनमें 10 से 19% तक की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर में पीक बनाने के बाद से अब तक ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव देखने को मिला है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स अपने पीक से 10 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुए हैं। इस साल अभी बाजार में गिरावट जारी है। हालांकि बिकवाली का सबसे ज्यादा असर स्मॉलकैप सेग्मेंट में देखने को मिल रहा है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स बीते 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर हुआ है। इस साल भी इंडेक्स में करीब 11 फीसदी ही गिरावट है। फिलहाल स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली का असर स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में एसआईपी रिटर्न भी दिख रहा है।

इक्विटी मार्केट की बात करें तो बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स इस साल अबतक करीब 11 फीसदी कमजोर हुआ है। वहीं, 6 महीने में भी इसमें इतनी ही गिरावट रही है। जो अन्य प्रमुख इंडेक्स के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इस साल अबतक सेंसेक्स में 1.65 फीसदी और निफ्टी में 1.50 फीसदी गिरावट रही है। मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ है तो बीएसई 500 इंडेक्स में 4.5 फीसदी गिरावट रही है। बैंक निफ्टी इस दौरान 3.17 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स करीब 3 फीसदी कमजोर हुआ है।

स्मॉलकैप फंड : बिगड़ा रिटर्न

स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर हुआ है। बीते 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड हैं, जिनमें 10 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। इनमें 10 से 19 फीसदी निगेटिव रिटर्न दिख रहा है।

इन फंडों में गिवट का दौर

फंड	गिरावट
■ मिराए एसेट निफ्टी स्मॉलकैप 250 मोमेंटम क्वालिटी 100 ईटीएफ:	-19.73%
■ क्वांट स्मॉल कैप फंड:	-14.02%
■ एबीएसएल स्मॉल कैप फंड:	-13.65%
■ बड़ौदा बीएनपी परिबास स्मॉल कैप फंड:	-13.30%
■ फ्रैंकलिन इंडिया छोटी कंपनी फंड:	-13.06%
■ डीएसपी निफ्टी स्मॉलकैप250 क्वालिटी 50 इंडेक्स:	-12.94%
■ महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंड:	-12.89%
■ निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	-12.73%
■ मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफ:	-12.63%
■ आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.59%
■ एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.57%
■ एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.56%
■ निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.51%
■ मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.51%
■ एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफ:	-12.46%

■ एडलवाइस निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.46%
■ एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड:	-11.52%
■ एसबीआई स्मॉल कैप फंड:	-11.42%
■ कोटक निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.02%
■ एबीएसएल निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.02%
■ एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.01%
■ केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंड:	-10.86%
■ आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड:	-10.55%
■ बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंड:	-10.15%
■ कोटक स्मॉल कैप फंड:	-10%
■ यूनियन स्मॉल कैप फंड:	-10%

स्मॉलकैप में अस्थिरता वजह

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्मॉलकैप सेग्मेंट में पिछले साल लगातार भारी इनफ्लो देखने को मिला था। वहीं, बाजार की जो रैली सितंबर तक चली है, उसमें स्मॉलकैप शेयरों में बहुत ज्यादा तेजी आई। स्मॉलकैप इंडेक्स में अन्य इंडेक्स के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूती देखने को मिली। वहीं, अब बाजार वोलेटाइल है तो ऐसे में स्मॉलकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा अस्थिरता देखने को मिल रही है। ऐसा आमतौर पर होता भी है कि बाजार के गिरावट के दौर में स्मॉलकैप में ज्यादा अस्थिरता दिखती है। हालांकि यह दौर ज्यादा नहीं चलता। बजट के बाद फिर इन फंडों में रैली देखने को मिल सकती है।

स्मॉल कैप फंड : कौन करें निवेश

फाइनेंशियल एडवाइजर हमेशा सलाह देते हैं कि जो इन्वेस्टर्स हाईरिटर्न के लिए हाई रिस्क लेने को तैयार हैं, वे स्मॉल कैप फंडों में निवेश कर सकते हैं। कहने का मतलब है कि जो निवेशक बाजार का ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे स्मॉल कैप कैटेगरी में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्मॉलकैप फंडों में उनके निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 साल का होना चाहिए। लंबी अवधि में किए गए निवेश से शॉर्ट टर्म की वोलेटिलिटी का रिस्क कम हो जाता है। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड प्रमुख रूप से 5,000 करोड़ रुपये से कम मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की एक सब-कैटेगरी है और इनका प्रदर्शन बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है। स्मॉल कैप कंपनियों में बाजार में गिरावट के दौरान अधिक अस्थिरता यानी वोलैटिलिटी दिखती है। हालांकि बेस्ट स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है।

5 साल में कैसा रहा एसआईपी रिटर्न

बीते 5 साल में स्मॉलकैप फंडों का एसआईपी रिटर्न देखें तो यह हाई रहा है। 15 से ज्यादा फंड में सालाना 25 फीसदी या इससे ज्यादा रिटर्न मिला है, जिनमें कुछ के नाम इस प्रकार हैं।

पांच साल में इन्होंने दिया बढ़िया रिटर्न

फंड का नाम	रिटर्न
■ क्वांट स्मॉल कैप फंड:	35%
■ निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	30.64%
■ इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड:	29%
■ टाटा स्मॉल कैप फंड:	28%
■ एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड:	28%
■ एडलवाइस स्मॉल कैप फंड:	27.76%
■ फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	27.61%
■ एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंड:	27.58%
■ बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंड:	27%
■ एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड:	26.76%
■ केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंड:	25.67%
■ आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड:	25.35%

(डिस्क्लेमर: किसी भी इक्विटी फंड में पुराना रिटर्न आगे भी जारी रहेगा या नहीं, इसकी गारंटी नहीं है। यह भविष्य में कायम भी रह सकता है और नहीं भी। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश करने के पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।)

बाजार के उतार-चढ़ाव में हाइब्रिड फंड हो सकते हैं निवेश के लिए अच्छा सौदा

सुझाव
बिजनेस डेस्क

- इनमें टैक्स में बचत और नुकसान का कम होता है खतरा
- अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं
- इससे निवेशकों के लिए नुकसान का खतरा कम हो जाता है

शेयर बाजार में हाल के दिनों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे निवेशकों की चिंता भी लगातार बढ़ती है और निवेश के लिए एक अच्छा और सुरक्षित विकल्प चुनना भारी हो जाता है। ऐसे में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। इससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जो लोग शेयरों में निवेश करना चाहते हैं साथ ही टैक्स भी बचाना चाहते हैं, लेकिन वैल्यूएशन और उतार-चढ़ाव के कारण उनके कदम डगमगा रहे हैं। ऐसे निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड्स निवेश के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। जिससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जानकारों का कहला है कि मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप के शेयरों के दाम अभी ठीक-ठाक हैं। इसलिए निवेश इनकी ओर रुख कर सकते हैं। ऐसा करना कोई नुकसान का सौदा नहीं है। हालांकि रिटर्न कुछ कम हो सकता है, लेकिन लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे और टैक्स भी बचा लेंगे।

क्या कहते हैं आंकड़े

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में निफ्टी 50 (जिसमें बड़ी कंपनियों के शेयर हैं) का पीई 23 है। पिछले पांच साल के औसत 24.4 से थोड़ा कम है। लेकिन बीएसई मिडकैप का पीई 43.1 और बीएसई स्मॉलकैप 250 का पीई 43.2 है। ये पिछले पांच साल के औसत पीई (33.8 और 27.4) से काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि लार्जकैप की तुलना में स्मॉल और मिडकैप महंगे हैं।

कैसे होता है अलोकेशन

जानकारों का कहना है कि हाइब्रिड फंड्स में ज्यादातर बड़ी कंपनियों (लार्जकैप) के शेयर होते हैं, जिनके वैल्यू अभी फेयर हैं। वेल्थ मैनेजर्स बताते हैं कि ज्यादातर हाइब्रिड फंड्स में मीडियम और छोटी कंपनियों के शेयर बहुत कम होते हैं। हाइब्रिड फंड्स में इक्विटिज का हिस्सा 20% से 70% तक होता है, ये फंड के कैटिगरी पे निर्भर करता है। इक्विटी सेविंग्स फंड्स में सबसे कम 10% से 35% तक शेयर होते हैं। उसके बाद मल्टी असेट फंड्स आते हैं। इनमें 25% से 65% तक इक्विटी होते हैं। बैलेंस्ड अडवांटेज फंड्स में औसतन 50% से 60% इक्विटी होते हैं, जबकि अग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 65% से 75% तक।

ऐसे में क्या करें निवेशक

जो लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से शेयरों में आना चाहते हैं और ज्यादा जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं, वो अपने रिस्क के हिसाब से अलग-अलग तरह के हाइब्रिड फंड्स में निवेश कर सकते हैं। आप इक्विटी सेविंग्स, बैलेंस्ड अडवांटेज, मल्टी असेट और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में बराबर-बराबर पैसा लगा सकते हैं। इसमें नुकसान होने की संभावना बेहद कम होती है। ऐसे में यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प हो सकते हैं।

लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे, टैक्स बचेगा मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप शेयर अभी फिट हैं

क्यों जरूरी हाइब्रिड स्ट्रेटेजी

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। वेल्थ मैनेजर्स कहते हैं कि हाइब्रिड फंड्स टैक्स में बचत कराते हैं। अगर कोई खुद शेयर, डेट व सोने में निवेश करके अपना पोर्टफोलियो बनाता है, तो उसे शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स या फिर अपनी स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स देना पड़ सकता है, जिससे इनकम कम होती है। लेकिन हाइब्रिड फंड्स में निवेश करने से टैक्स में बचत होती है। इसकी वजह ये है कि इनमें से ज्यादातर कैटेगरीज को टैक्स के लिए इक्विटी फंड्स की तरह माना जाता है।

हाइब्रिड फंड क्या हैं

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक निवेश फंड है जो अपनी परिसंपत्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में फैलाता है। आम तौर पर, ये फंड स्टॉक और बॉन्ड में निवेश करते हैं, लेकिन अपने पोर्टफोलियो में सोना, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा आदि जैसी अन्य परिसंपत्तियां भी शामिल कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड द्वारा प्रदान किया गया विविधीकरण बाजार के जोखिमों को नियंत्रित करने और एकल परिसंपत्ति वर्ग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपेक्षाकृत स्थिर लाभ प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

- एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करें, एक लाख रुपये हर माह कई वर्षों तक मिलते रहेंगे
- मोटा रिटर्न हमेशा से ही रिस्क भरा होता रहा है, अब निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क पसंद कर रहे

फ्यूचर प्लानिंग

हर माह करने होंगे 15,000 रुपये निवेश, बरसेगा धन

बिजनेस डेस्क

अमीर बनना और बड़ा फंड बनाना हर किसी का सपना होता है। इसके लिए हर कोई अपने-अपने तरीके से जतन भी करता है। कोई बाजार में निवेश करता है तो कोई, जमीन, गहने, ईटीएफ, म्युचुअल फंड, एफडी-आरडी में निवेश अपना भविष्य सुरक्षित करने की जुगत लगाता है। इसलिए हर कोई अलग-अलग तरीके अपनाता है। हालांकि एक निवेश ऐसा भी जहां शुरूआत में आपको हर महीने 15,000 रुपये निवेश करने होंगे और बुढ़ापे में आपको चिंता की कोई जरूरत नहीं होगी और आप आसानी से अपने लिए बढ़िया फंड तैयार कर लेंगे। हालांकि बड़ा फंड बनाने के लिए काफी निवेशक अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। फ्यूचर फाइनेंशियल प्लानिंग कई बार गड़बड़ भी हो जाती है। कई प्लान ऐसे हैं, जिनमें आप निवेश कर जिंदगीभर मोटी कमाई कर सकते हैं। आप हर महीने कुछ रकम निवेश कर जिंदगीभर एक लाख रुपये या उससे ज्यादा घर बैठे कमा सकते हैं।

हर कोई कर रहा निवेश

आज के समय काफी लोग अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अलग-अलग जगह पर निवेश कर रहे हैं। कोई एफडी में निवेश कर रहा है तो कोई शेयर मार्केट या दूसरी जगह अपना पैसा लगा रहा है। कुछ प्लान और स्कीम ऐसी हैं जिनमें निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। हालांकि मोटा रिटर्न हमेशा से रिस्क भरा होता है, लेकिन काफी निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क भी लेना पसंद करते हैं।

कितना कमा सकते हैं

आप हर महीने जिंदगी भर एक लाख रुपये घर बैठे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ वर्षों तक हर महीने 15 हजार रुपये निवेश करने होंगे। इसके बाद आपको एक लाख रुपये हर महीने आपको कई वर्षों तक मिलते रहेंगे। फिर भी कई करोड़ रुपये आपके पास बचे होंगे। यह रकम इतनी हो जाएगी कि आपकी सात पुश्तें भी घर बैठकर कमाई कर सकेंगी। यह कमाई कैसे होगी, इसके बारे में इस रिपोर्ट में बताया गया है।

कितना मिलता है रिटर्न?

निवेश के लिए काफी लोग अभी भी एफडी को पसंद करते हैं। इसका कारण है कि इसमें 6 से 9 फीसदी तक का फिक्स्ड रिटर्न मिल जाता है। हालांकि यह रिटर्न बैंक पर निर्भर करता है। समय-समय पर बैंक इस ब्याज में बदलाव करते रहते हैं। लेकिन घर बैठे एक लाख रुपये की कमाई एफडी में निवेश करके नहीं की जा सकती। इसके लिए आपको दूसरी स्कीम में निवेश करना होगा।

कहां करना होगा निवेश

आपको अच्छी कमाई के लिए एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना होगा। आपको हर महीने 15 हजार रुपये 20 साल तक किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करने होंगे। 15 फीसदी सालाना रिटर्न के हिसाब से 20 साल बाद यह रकम बढ़कर 2.27 करोड़ रुपये हो जाएगी। इसमें 36 लाख रुपये आपके निवेश के और बाकी की रकम ब्याज की होगी।

कैसे मिलेंगे एक लाख हर महीने

20 साल बाद आपको कोई काम करने की जरूरत नहीं है। इन 2.27 करोड़ रुपये में से 27 लाख रुपये आप अपने किसी काम में खर्च कर सकते हैं। बाकी के दो करोड़ रुपये एसडब्ल्यूपी में निवेश कर दें। एसआईपी का मतलब हर महीने रकम जमा करना है तो एसडब्ल्यूपी का मतलब हर महीने रकम निकालना। इसमें भी यह रकम म्यूचुअल फंड में लगानी होती है। अगर कोई म्यूचुअल फंड सालाना 9 फीसदी का ब्याज दे रहा है तो भी आप 30 साल तक एक लाख रुपये हर महीने निकाल सकेंगे।

बच्चों के बच्चे भी करेंगे कमाई

आपके इस निवेश से आपके बच्चे और उनके बच्चों के बच्चे भी जिंदगीभर कम से कम एक लाख रुपये हर महीने कमाते रहेंगे। ध्यान रखें कि अगर आप हर महीने एक लाख रुपये से ज्यादा चाहते हैं तो वह भी मिल सकते हैं लेकिन इसमें कई बार आपका फंड यानी 2 करोड़ रुपये जल्दी खत्म हो सकते हैं। एसडब्ल्यूपी में रकम का चुनाव करने के लिए इंटरनेट पर कई कैलकुलेटर मौजूद हैं। आप उनकी भी मदद ले सकते हैं।

टर्म इंश्योरेंस, सही प्लान व कवरेज के लिए इन बातों का रखना ध्यान

जानकारी
बिजनेस डेस्क

परिवार के आर्थिक भविष्य और उसकी सुरक्षा की फिक्र हर किसी को रहती है। लोग लाइफ इंश्योरेंस इसी फिक्र को दूर करने के लिए लेते हैं, लेकिन लाइफ इंश्योरेंस के एंडोमेंट प्लान के जरिये पर्याप्त कवरेज लेने पर काफी महंगा प्रीमियम भरना पड़ता है। ऐसे में कई लोग प्रीमियम भरने की क्षमता को देखकर कवरेज लेते हैं, जो काफी नहीं होता, जबकि कवरेज पर्याप्त न हो तो लाइफ इंश्योरेंस लेने का उद्देश्य ही पूरा नहीं होता। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के जरिये कम खर्च में भी जरूरत के मुताबिक कवरेज लिया जा सकता है। यह जीवन बीमा कवरेज का सबसे आसान और किफायती तरीका है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस लेने के लिए सबसे पहले तो इस प्लान का सही मतलब समझना जरूरी है। दरअसल, टर्म इंश्योरेंस एक ऐसा जीवन बीमा प्लान है, जो निश्चित अवधि (टर्म) तक सुरक्षा प्रदान करता है। अगर इस अवधि के दौरान पॉलिसीधारक का निधन हो जाता है, तो बीमा कंपनी द्वारा उसके नॉमिनी को कवरेज के हिसाब से एकमुश्त रकम दी जाती है। यह एक प्योर प्रोटेक्शन प्लान होता है। यानी इसमें किसी तरह का निवेश या सेविंग का पहलू जुड़ा हुआ नहीं होता।

यह किफायती क्यों

टर्म लाइफ इंश्योरेंस की सबसे बड़ी खासियत इसका कम प्रीमियम है। कवरेज की तुलना में इसका प्रीमियम इतना कम इसलिए होता है, क्योंकि इसमें केवल 'डेथ कवर' दिया जाता है और प्रीमियम के तौर पर भरे गए पैसों पर कोई रिटर्न या प्रॉफिट नहीं मिलता, लेकिन एंडोमेंट प्लान्स की तुलना में इसकी प्रीमियम की दरें इतनी कम होती हैं, जिससे आपको कम लागत में अधिक बीमा कवर लेने का मौका मिलता है।

कितना कवरेज लें

सही टर्म इंश्योरेंस कवरेज का चुनाव करना बेहद जरूरी है। बीमा कवरेज की रकम इतनी होनी चाहिए कि बीमा कराने वाले के न रहने पर उसके परिवार की आर्थिक जरूरतें आसानी से पूरी हो सकें। कवरेज की रकम तय करते समय आपको अपनी मौजूदा आर्थिक जिम्मेदारियों और जरूरतों, मसलन, होम लोन, कार लोन, बच्चों के एजुकेशन और दैनिक खर्चों को ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा, भविष्य में बढ़ने वाली महंगाई और अन्य संभावित खर्चों को शामिल करना भी जरूरी है। आमतौर पर माना जाता है कि टर्म इंश्योरेंस का कवरेज की रकम आपकी सालाना आमदनी के मुकाबले 10-15 गुना होनी चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आमदनी 10 लाख रुपये है, तो टर्म इंश्योरेंस 1 से 1.5 करोड़ होना जरूरी है।

सही अवधि कैसे चुनें

बीमा कवरेज की अवधि का चुनाव करते समय यह ध्यान में रखें कि पॉलिसी की अवधि आपकी एक्टिव अर्निंग लाइफ यानी कामकाजी उम्र को जरूर कवर करती हो। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के कवरेज की अवधि इतनी होनी चाहिए कि जब तक आपके आश्रित परिवार को आपके आर्थिक सपोर्ट की जरूरत है, कम से कम तब तक वे सुरक्षित रहें। अगर आपके बच्चे अभी छोटे हैं या आपके पास लंबी अवधि के ऋण हैं, तो आपको लंबी अवधि का टर्म प्लान लेना चाहिए।

राइडर्स और अन्य लाभ चेक करें

इंश्योरेंस प्लान के साथ आने वाले राइडर्स का मतलब है, ऐसे एक्स्ट्रा बेनिफिट यानी अतिरिक्त लाभ, जिन्हें आप अपने टर्म इंश्योरेंस प्लान में जोड़ सकते हैं। इनमें क्रिटिकल इलनेस कवर, एक्सीडेंटल डेथ कवर और प्रीमियम वेवर जैसे बेनिफिट शामिल होते हैं। ये राइडर, अतिरिक्त सुरक्षा तो देने हैं, लेकिन इनके लिए एक्स्ट्रा प्रीमियम भी भरना पड़ सकता है। अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह तय कर सकते हैं कि कौन सा राइडर आपके लिए फायदेमंद है। टर्म इंश्योरेंस प्लान में प्रीमियम पेमेंट यानी भुगतान के लिए अलग-अलग ऑप्शन उपलब्ध होते हैं। आप सालाना, छमाही, तिमाही या मंथली आधार पर भी प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं।

रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी

कुछ टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान में रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी जैसे ऑप्शन भी दिए जाते हैं। रिन्यूएबिलिटी का ऑप्शन आपको पॉलिसी पीरियड खत्म होने के बाद बिना किसी नए मेडिकल टेस्ट के इसे आगे बढ़ाने की सुविधा देता है। वहीं, कन्वर्टिबिलिटी का ऑप्शन आपको अपने टर्म प्लान को किसी और तरह के जीवन बीमा प्लान में बदलने की सुविधा देता है। हालांकि, इन ऑप्शन्स के साथ प्रीमियम की रकम बढ़ सकती है, इसलिए इन्हें चुनने से पहले सभी पहलुओं को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

सेहत और उम्र का असर

आपकी उम्र और स्वास्थ्य आपकी बीमा पॉलिसी की प्रीमियम दरों को सीधे प्रभावित करते हैं। आमतौर पर, जितनी कम उम्र में आप टर्म इंश्योरेंस खरीदते हैं, प्रीमियम उतना ही कम देना पड़ता है। अगर आप पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, तो आपकी प्रीमियम दरें अधिक हो सकती हैं. इसलिए, टर्म इंश्योरेंस को जल्द से जल्द लेना फायदेमंद होता है। पॉलिसी खरीदने से पहले उससे जुड़ी शर्तों और नियमों को अच्छी तरह से पढ़ना और समझना जरूरी है। बीमा पॉलिसी में कुछ एक्सक्लूजन्स भी होते हैं, जिनके तहत बीमा कंपनी क्लेम का भुगतान नहीं करती।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो भी देखें

इंश्योरेंस कवरेज लेने से पहले यह देखना भी जरूरी है कि आप जिस बीमा कंपनी का प्लान लेने की सोच रहे हैं, उसका क्लेम सेटलमेंट रेशियो कितना है। क्लेम सेटलमेंट रेशियो से पता चलता है कि बीमा कंपनी ने अपने पॉलिसीहोल्डर्स के कितने प्रतिशत क्लेम यानी दावों का निपटारा किया गया है। अगर यह रेशियो अधिक है, तो उससे पता चलता है कि बीमा कंपनी अपने ग्राहकों के प्रति जिम्मेदार है और समय पर दावों का भुगतान करती है।

टर्म इंश्योरेंस प्लान को बीच में बंद न करें

कई बार लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस प्लान को पूरी अवधि तक जारी नहीं रखते कि इसके प्रीमियम में भरे जाने वाले पैसों पर कोई रिटर्न मिलना तो दूर, प्रीमियम की रकम भी वापस नहीं मिलेगी, लेकिन ऐसा सोचना सही नहीं है, क्योंकि इंश्योरेंस का मकसद सुरक्षा देना है, रिटर्न देना नहीं। अगर आप एक बराबर कवरेज वाले किसी एंडोमेंट प्लान और टर्म प्लान के प्रीमियम की तुलना करें, और टर्म प्लान में होने वाली प्रीमियम की बचत को किसी अच्छे म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा दें, तो पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान आपको मिलने वाला कुल रिटर्न एंडोमेंट प्लान के मुकाबले बहुत अधिक हो सकता है।

दिल्ली की जनता को आपदा से मिली मुक्ति : भवानी सिंह

दिल्ली में भाजपा की ऐतिहासिक जीत, कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

दिल्ली विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत से फतेहाबाद के भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह नजर आया। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सचिव ठाकुर भवानी सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने लाल बत्ती चौक पर लड्डू बांटकर इस ऐतिहासिक जीत की खुशी मनाई और दिल्ली की जनता का आभार जताया। बता दें कि ठाकुर भवानी सिंह की पार्टी हाईकमान द्वारा दिल्ली चुनावों को लेकर अहम जिम्मेवारी सौंपी गई थी। दिल्ली के मुस्तफाबाद में ठाकुर भवानी सिंह पिछले करीब एक महीने से भाजपा उम्मीदवार मोहन विष्ट की जीत के लिए लगातार चुनाव प्रचार में जुटे हुए थे। ठाकुर भवानी सिंह ने कहा कि दिल्ली की जनता ने भ्रष्टाचार का पर्याय बन कर आम आदमी पार्टी पर झाड़ू फेरने का काम किया है। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया सहित आम आदमी पार्टी के अनेक बड़े नेताओं को चुनावों में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा है। केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को 11 साल तक झूठ और लूटने का काम किया।

फतेहाबाद। दिल्ली में ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं के साथ लड्डू बांटते भाजपा नेता भवानी सिंह। फोटो : हरिभूमि

यह जीत कार्यकताओं की मेहनत का परिणाम : कंबोज

सिरसा। भाजपा की दिल्ली में ऐतिहासिक जीत की खुशी में जिला भाजपा कार्यालय के समक्ष कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांट कर व ढोल की थाप पर नाचकर जश्न मनाया। इस माके पर भाजपा जिलाध्यक्ष शिशपाल कंबोज, भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश चोपड़ा, रोहताश जांगड़ा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष शिशपाल कंबोज ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और पार्टी की जन-कल्याणकारी नीतियों पर जनता के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने केजरीवाल के झूठे वादों को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के शीशमहल को नेस्तानाबूत कर दिल्ली को आप-दा मुक्त करने का काम किया है।

दिल्ली में भाजपा के विश्वास की जीत : ग्रोहा

फतेहाबाद। दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा की प्रचण्ड जीत पर आज बीजेपी जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष स. बलदेव ग्रोहा व जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जलेबियां बांटकर खुशी मनाई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को भाजपा की प्रचण्ड जीत की बधाई व शुभकामनाएं दीं। जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा व जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य ने खुशी जताते हुए कहा कि दिल्ली में भाजपा के विश्वास की जीत हुई है और आम आदमी होने की नौटंकी करने वाले भ्रष्ट आम आदमी पार्टी की हार हुई है। अब दिल्ली आप-दा मुक्त हो गई है, अब खुशहाली आएगी। जनता को भाजपा पर अटूट विश्वास हो चुका है।

बाइक सवार मोबाइल छीनकर हुए फरार

फतेहाबाद। शहर में बाईक सवार दो बदमाश एक युवक से मोबाइल छीनकर फरार हो गए। इस बारे पीड़ित युवक द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में डीएसपी रोड फतेहाबाद निवासी दीपांशु ने कहा है कि गत दिवस अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बाजार गया था। जब वह भागीरथ चौक के पास पहुंचा तो इसी दौरान मोटरसाइकिल पर आए दो युवकों ने उसके हाथ से उसका मोबाइल छीन लिया और भागने लगे। इस पर उसने अपने बाईक से उक्त युवकों का पीछा किया तो उक्त युवकों ने उसे मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। बाद में पीड़ित युवक ने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

स्वस्थ शरीर और मस्तिस्क परीक्षा में सफलता के लिए आवश्यक : सुभाष

- महिला कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। महिला कॉलेज में छात्राओं को संबोधित करते रोडवेज विभाग से स्टेशन सुपरवाइजर सुभाष। फोटो : हरिभूमि

चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला कॉलेज, भोडिया खेड़ा में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और व्यावहारिक रणनीतियां प्रदान करना रहा। रोडवेज विभाग से स्टेशन सुपरवाइजर सुभाष ने छात्राओं के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कई प्रभावी विधियां साझा की। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और छात्राएं विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहती हैं। उन्होंने छात्राओं को पर्याप्त नींद, पोषक आहार और नियमित शारीरिक गतिविधि पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क परीक्षा में सफलता के लिए आवश्यक हैं।

कला व संगीत का अद्भूत संगम

- क्रेसण्ट स्कूल में मनाया गया ओपेरा दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

क्रेसण्ट पब्लिक स्कूल में कला एवं संगीत के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु ओपेरा दिवस बड़े उत्साह एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। विशेष प्रार्थना सभा में डारसी व चिराग के मंच संचालन में माधव, गुनिका एवं सूर्यदेव ने प्रेरणादायी सुविचार प्रस्तुत किए। छात्रा कृति ने संगीत का जादू हवा में फैल जाता है कविता के सस्वर वाचन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्र नमन ने अपने सुव्याख्यान के माध्यम से ओपेरा कला के इतिहास, महत्व एवं प्रभाव के बारे में वर्णन किया।

फतेहाबाद। क्रेसंट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

ओपेरा दिवस को और भी मनमोहक बनाने के लिए कक्षा नौवीं व सातवीं की छात्राओं ने श्री कृष्ण की भक्ति से जुड़े गीत निसदिन करूँ मैं तेरी पूजा की प्रस्तुति दी। नवदीप व प्राची ने ओपेरा दिवस से संबंधित सामान्य ज्ञान के प्रश्न व स्पेलिंग्स पूछकर उपस्थित विद्यार्थियों के ज्ञान को परखा। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या पूनम ने कहा कि इस आयोजन से न केवल विद्यार्थियों को ओपेरा की अद्भूत दुनिया से परिचित कराया बल्कि उनमें कला एवं संगीत के प्रति रूचि भी जागृत की।

दो बाइक में टक्कर 11वीं का छात्र घायल

फतेहाबाद। भूना क्षेत्र में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में बाइक सवार छात्र घायल हो गया। घायल छात्र को उपचार के लिए हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस को दी शिकायत में डूल्ट निवासी रिन्कू ने कहा है कि उसका 16 साल का लडका मनीष ढाणी सांचला के सरकारी स्कूल में कक्षा 11वीं में पढ़ता है। गत दिवस वह घर से स्कूल ढाणी सांचला गया था। कुछ देर बाद उसे सूचना मिली कि मनीष का एक्सीडेंट हो गया है और उसे अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। इसके बाद जब वह अग्रोहा मेडिकल कॉलेज पहुंचा तो देखा मनीष को काफी चोटें आई हुई थी और चिकित्सकों ने उसे वहां से रेफर कर दिया। इसके बाद वह मनीष को उपचार के लिए हिसार के निजी अस्पताल में ले गया जहां उसका उपचार चल रहा है।

प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर में जागरण आयोजित

बाबा रामदेव साम्प्रदायिक सद्भावना के प्रतीक : दुड़ाराम

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

श्री रामदेव सेवा समिति की ओर से संचालित शक्ति नगर स्थित प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर रामदेवरा में माघ माह की चांदनी महादशमी को बाबा रामदेव महाराज का अर्धवार्षिक जम्मा, जागरण का आयोजन किया गया। जागरण का शुभारंभ पूर्व विधायक दुड़ाराम ने बाबा रामदेव महाराज की पावन एवं सांची जोत प्रज्ज्वलित करके किया। उन्होंने समिति प्रधान रमेश जोइया के साथ बाबा रामदेव महाराज को फूलों की माला अर्पित कर विधि विधान से

फतेहाबाद। पूर्व विधायक दुड़ाराम को सम्मानित करते समिति सदस्य।

बाबा रामदेव महाराज की पूजा, अर्चना व अराधना की। श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए दुड़ाराम ने कहा कि बाबा रामदेव महाराज साम्प्रदायिक सद्भावना और एकता के प्रतीक है क्योंकि बाबा रामदेव महाराज को 36 बिरादरी के लोग पूजते हैं।

विधायक को नवाजा

उन्होंने कहा कि बाबा रामदेव महाराज प्रगतिशील विचारक थे और उन्होंने जातिगत भेदभाव को मान्यता नहीं दी। उन्होंने अछूतोद्धार के लिए सफल प्रयास किया था। वह वास्तव में सच्चे समाज सुधारक थे और उन्होंने ऊंच-नीच, अमीरी-गरीबी के भेदभाव से ऊपर उठकर मानव मात्र का कल्याण किया। यही कारण है कि हर वर्ग, हर जाति और हर धर्म के लोग उन्हें समान रूप से पूजते हैं। समिति प्रधान रमेश जोइया ने समिति सदस्यों के साथ पूर्व विधायक दुड़ाराम को सम्मान स्वरूप पगड़ी पहनाकर और शाल ओढ़ाकर व बाबा रामदेव महाराज की प्रतिमा भेटकर सम्मानित किया।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

बम्पर इनामी योजना-2025

नाम.....सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी.....
पता.....तहसील .....पिन.....
जिला ..... फोन नं. ..... एजेंट का नाम .....

सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
मास्टर कूपन | मास्टर कूपन | मास्टर कूपन
मास्टर कूपन | मास्टर कूपन | मास्टर कूपन

नियम व शर्तें हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 - 5 फरवरी 2025 से 5 अगस्त 2025 की अवधि के लिए है। ⏭ बम्पर ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ⏭ योजना में भाग लेने के लिए पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित प्रपत्र पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 24 कूपनों में से कुल 18 कूपन (12 सामान्य एवं 6 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ⏭ हर माह के दो सामान्य कूपन चिपकाना अनिवार्य है। ⏭ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन फार्मेट में मान्य नहीं होगे। ⏭ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ⏭ हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ⏭ यदि किसी पुरस्कार पर टी. डी. एस. की कटौती लागू होगी तो विजेता को टी.डी.एस. का भुगतान स्वंय करना होगा। ⏭ वाहनों के एक्स शोरूम की कीमत को हरिभूमि द्वारा वहन किया जायेगा और अन्य खर्च विजेता को देने होंगे। ⏭ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ⏭ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रोहतक होगा। ⏭ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ⏭ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते। ⏭ प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितम्बर 2025 होगी। ⏭ पूर्णरूप से भरा हुआ मूल प्रपत्र अपने नजदीक के हरिभूमि कार्यालय या मुख्य कार्यालय में स्वंय अथवा साधारण डाक द्वारा भिजवाएं। ⏭ किसी भी कूपन और प्रपत्र की फोटोप्रति मान्य नहीं होगी। ⏭ अंतिम तिथि के बाद प्रपत्र स्वीकार नहीं होंगे। विजेताओं का चयन ड्रॉ द्वारा किया जायेगा। ⏭ ड्रॉ निकालने की तिथि 5 अक्टूबर 2025 होगी। ⏭ विजेताओं की सूची 10 नवम्बर से समाचार पत्र में प्रकाशित की जायेगी। ⏭ प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय रोहतक से पुरस्कार प्राप्त करना होगा। अन्य सभी विजेता हरिभूमि के उनके नजदीकी कार्यालय से पुरस्कार प्राप्त कर सकेंगे। ⏭ सभी विजेताओं को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपनी फोटो पहचान पत्र की फोटो प्रति हरिभूमि कार्यालय में जमा करनी होगी। अपने साथ पहचान पत्र की मूल प्रति लाना न भूलें।

सिरसा: मै. सर्राफ न्यूज एजेंसी, विश्नोई मार्केट, विश्नोई धर्मशाला के पास, सिरसा, फोन: 9996441500
फतेहाबाद: मै. मनीष न्यूज एजेंसी, मैन बाजार, पीपल वाला चौक, फतेहाबाद, फोन: 9350369523

खबर संक्षेप

मकान में चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। शहर के जगजीवनपुरा स्थित एक निर्माणाधीन मकान में चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान उमेश पुत्र रमेश निवासी कालीदास कालोनी फतेहाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 1 हजार रुपये की नकदी भी बरामद की है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी एसआई ओमप्रकाश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 30 जनवरी को वरिष्ठ नागरिक परिषद के पूर्व प्रधान हरबंस लाल सेठी की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार जगजीवनपुरा में निर्माणाधीन उसके मकान में घुसकर एक युवक तारें चोरी कर ले गया हैं।

चोरी के मामले में दो युवकों को किया काबू

फतेहाबाद। कुलां स्थित एक मैरिज पैलेस से हजारों रुपये के बर्तन चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर टोहाना पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवकों की पहचान प्रकाश उर्फ काला पुत्र श्याम लाल निवासी विश्वकर्मा कालोनी, जींद व पवन कुमार पुत्र चन्द्रभान निवासी सफीदो के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से 40 हजार रुपये की नकदी और एक गाड़ी बरामद की है। थाना सदर टोहाना प्रभारी ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 5 सितम्बर 2024 को अकांवाली निवासी जसवंत कुमार की शिकायत पर केस दर्ज किया

पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति की इकाई गठित

रतिया। पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति हरियाणा जिला प्रधान ओम प्रकाश हसंगा की अध्यक्षता में पांच स्थाई इकाई गठित की गई। इसमें गांव ब्राह्ममनवाला में प्रधान गुरप्रीत सिंह, सचिव मनप्रीत सिंह, गांव लठेरा में प्रधान भूपेंद्र सिंह व सचिव सतपाल सिंह, गांव लधुवास में प्रधान अमरजीत सिंह गैला, सचिव गुरजीत सिंह, गांव खाई के प्रधान नाहर सिंह व सचिव हाकम सिंह तथा गांव हुकमा वाली में प्रधान हरदेव सिह व सचिव रुप सिंह माशा बनाए गए। गांव हुक्मावाली की तरफ से ब्लाक रतिया को 3100 रूपए सहयोग दिया गया। इस अवसर पर पगड़ी संभाल जट्टा के जिला उप प्रधान गगी चहल, सह सचिव सुखा भंडाल, प्रगट सिंह खोखर, प्रेम खोखर रतिया, पाल संधू, गुरलाल नथवान व इन्दजीत समरा उपस्थित रहे।

वीजा एक्सटेंड करवाने के नाम पर 1.48 लाख ठगे

फतेहाबाद। साइबर ठगों ने फतेहाबाद के गांव भिरड़ाना के एक युवक से 1 लाख 48 हजार रुपये हड़प लिए। साइबर ठगों ने युवक को उसका दोस्त बनकर कॉल किया और वीजा एक्सटेंड करवाने के नाम पर यह राशि ठग ली। इस बारे साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने धोखाधड़ी बारे केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव भिरड़ाना निवासी धर्मबीर ने कहा है कि वह फतेहाबाद में टेलीकॉम कम्पनी में काम करता है। उसका दोस्त अंकित इंग्लैंड में रहता है। कुछ दिन पहले उसके व्हाटसएप्प पर मैसेज आया और कहा कि वह उसका दोस्त अंकित है। उसे अपना वीजा एक्सटेंड करवाना है।

ढाबे पर काम करने वाले युवक से छीना मोबाइल

सिरसा। शहर के सांगवान चौक स्थित ढाबे पर काम करने वाले युवक से मोटरसाइकिल सवार युवक मोबाइल छीनकर भाग गए। पुलिस को दी शिकायत में प्रीत नगर स्थित गली नंबर 1 निवासी अजय कुमार ने बताया कि वह सांगवान चौक स्थित एक ढाबे पर काम करता है। उसने बताया कि रात को वह घर जा रहा था। प्रीत नगर के पास उसके पास किसी का फोन आ गया और वह बात करने लगा। इसी दौरान बाइक पर सवार होकर आए दो युवक उसके हाथ से फोन छीनकर भाग गए। उसने काफी शोर भी मचाया, लेकिन रात का समय होने के कारण युवक भागने में कामयाब हो गए।

समस्याएं हल नहीं हुई तो 15-16 को मुख्यमंत्री के कैम्प कार्यालय पर दिया जाएगा धरना

फतेहाबाद में मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे कर्मचारी और शिक्षक, विधायक को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

अपनी मांगों को लेकर सभी विभागों के कर्मचारियों और शिक्षकों ने सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर फतेहाबाद में रोष प्रदर्शन किया। सभी विभागों के सैकड़ों कर्मचारी बिजलीघर प्रांगण में इक_े हुए और सर्व कर्मचारी संघ के ब्लॉक फतेहाबाद प्रधान राजपाल मिताथल, भट्ट प्रधान हरपाल हुड्डा के नेतृत्व में प्रदर्शन करते हुए विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया के कार्यालय पर पहुंचे तथा उन्हें ज्ञापन सौंपा।

सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान भूप सिंह भड़ोलावाली व सचिव सुरजीत दुसाद ने कहा कि अगर समय रहते कर्मचारियों की समस्याएं हल नहीं हुई तो 15-16 फरवरी को कुरूक्षेत्र में मुख्यमंत्री के केम्प कार्यालय पर दो दिन का धरना दिया जाएगा। ज्ञापन में कर्मचारियों ने मांग की है कि सभी विभागों के कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए, पुरानी पेंशन बहाल हो। 50-55 की उम्र व 25 साल की सेवा उपरांत सेवानिवृत्त का पत्र वापसी हो, हरियाणा का अलग से वेतन आयोग हो। पिछले वेतन आयोग में रह गई विसंगतियों को ठीक किया जाए। 5 हजार रुपए प्रतिमाह अन्तरिम राहत देने के लिए विधानसभा में चर्चा करके सभी विभागों की वेतन विसंगतियों को दूर किया जाए।। कच्चे कर्मचारियों की सेवाएं नियमित करने, पक्कों के समान वेतन भत्ते सुविधाएं व सेवा सुरक्षा दी जाए। दो साल की सेवा के आधार पर सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों/शिक्षकों को नियमित करने की नीति बनाई जाए। कच्चे कर्मचारियों पर समान काम के लिए समान वेतन लागू किया जाए। एचकेआरएन से अलग रह गए कच्चे कर्मचारियों का वेतन बढ़ाते हुए वेतन की समानता सुनिश्चित की जाए व सेवा सुरक्षा प्रदान की जाए। बढ़ती जनसंख्या के चलते बढ़े हुए वर्कलोड के आधार पर नए पद सृजित किए जाएं। सभी प्रकार के छंटनी ग्रस्त कर्मचारियों को बहाल किया जाए। निजीकरण, आउटसोर्सिंग, ठेकाप्रथा, सार्वजनिक क्षेत्र की जमीन बेचने/लीज पर देने आदि पर रोक लगाई जाए। बिजली बिल 2022, नई शिक्षा नीति 2020, रोड सेफ्टी बिल और चारों लेबर कोड़स को रद्द किया जाए। आज के प्रदर्शन में अध्यापक संघ के जिला सचिव देसराज माचरा, विनोद शिला, पावर कार्पोरेशन वर्कर यूनियन के सचिव रामनिवास शर्मा, रिटायर कर्मचारी संघ के सचिव बेगराज, नगरपालिका कर्मचारी संघ के वरिष्ठ उप प्रधान रमेश तुषामड़, नरेश राणा आदि ने भाग लिया।

फतेहाबाद। अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते कर्मचारी व शिक्षक तथा प्रदर्शन के बाद विधायक को ज्ञापन सौंपते कर्मचारी व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को लेकर ढुलमुल रवैया अपनाए हुए सरकार : बेगराज

फतेहाबाद। अपनी मांगों को लेकर भूना, फतेहाबाद व भट्ट के रिटायर्ड कर्मचारियों ने शनिवार को रिटायर्ड कर्मचारी संघ के आह्वान पर फतेहाबाद में रोष प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करते हुए रिटायर्ड कर्मचारी विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया के कार्यालय में पहुंचे और उन्हें मांग पत्र सौंपते हुए रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को विधानसभा में उठाने की मांग की। रिटायर्ड कर्मचारी संघ के फतेहाबाद खंड प्रधान रामदास, सचिव हरकिशन लाल कंबोज, राधेश्याम, कृष्ण मेहरा, बेगराज आदि ने कहा कि प्रदेश सरकार मानी हुई मांगों को लागू करने में आनाकानी कर रही है जिससे रिटायर्ड कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि रिटायर्ड कर्मचारी संघ द्वारा 1 से 15 फरवरी तक सदस्यता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े में सरकार द्वारा लंबित मांगों को अनदेखा करने को लेकर रिटायर्ड कर्मचारियो को जागरूक किया जा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो प्रदेशभर के रिटायर्ड कर्मचारियों द्वारा 16 फरवरी को मुख्यमंत्री के कैंप ऑफिस कुरुक्षेत्र में पड़ाव डाला जाएगा। कर्मचारी नेताओं ने मांग की कि संगठन को बुलाकर बातचीत द्वारा रिटायर्ड कर्मचारियो की लंबित मांगो 65 वर्ष, 75 वर्ष उपरांत 10 प्रतिशत, 20 प्रतिशत की मूल वेतन में वृद्धि की जाए। कम्युटेशन की राशि 10 वर्ष 8 माह तक ही कटी जाए। कैशलेस मेडिकल सुविधा दी जाए। पेंशन को आयकर किया जाए, कोरोना काल में 18 महीने का बकाया डीए का भुगतान किया जाए तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए एसी बसों, रेल तथा हवाई जहाज में रियायती यात्रा की सुविधा दी जाए। पुरानी पेंशन लागू की जाए, पारिवारिक पैंशनर को एलटीसी दी जाए। जिला सचिव बेगराज ने कहा कि सरकार ने पिछले दस वर्षों से रिटायर्ड कर्मचारियो की मांगो को लेकर ढुलमुल रवैया अपनाए हुए है। आज का प्रदर्शन में बनारसी दास मोंगा, ओमप्रकाश जे.ई., भूपेंद्र सिंह, रामेश्वर कलवा सहित सैंकड़ो रिटायर्ड कर्मचारियों ने भाग लिया।

रिटायर्ड कर्मचारियों ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन, विधायक को सौंपा ज्ञापन

डबवाली। रिटायर्ड कर्मचारी संघ ने शनिवार को रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों व समस्याओं को जोरदार ढंग से उठाया। सबसे पहले राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रधान सुखवंत चीमा की अध्यक्षता में बैठक की। बैठक में रिटायर्ड कर्मचारी संघ सिरसा के प्रधान अशोक कुमार, सर्व कर्मचारी संघ सिरसा के प्रधान मदन लाल खोथ, सचिव रमेश सैनी, अध्यापक संघ सिरसा के प्रधान बीर सिंह व कई अन्य कर्मचारी नेता भी विशेष तौर पर शामिल हुए। बैठक में रिटायर्ड कर्मचारियों व अन्य कर्मचारियों की विभिन्न मांगों पर चर्चा की गई। बाद में रिटायर्ड कर्मचारी संघ ने सर्व कर्मचारी संघ के साथ मिलकर राज्य कमेटी के आह्वान पर शहर में प्रदर्शन करते हुए विधायक आदित्य देवीलाल के नाम ज्ञापन भी सौंपा। प्रधान सुखवंत सिंह चीमा ने रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को उठाते हुए कहा कि संघ द्वारा लगातार सरकार के समक्ष लगातार उठाया जा रहा है लेकिन सरकार उन्हें अनदेखा कर रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की तरह 65, 70, 75 वर्ष की आयु पार करने पर क्रमशः पेंशन में 10, 15, 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी लागू करे ताकि रिटायर्ड कर्मचारी अच्छा जीवन गुजार सकें। पेंशन की आय को टैक्स मुक्त किया जाए। आज के जमाने में जैसे मेडिकल सुविधा बहुत महंगी हो गई है इसलिए मेडिकल भत्ता 3000 रुपए किया जाए। सभी बीमारियों के लिए कैशलेस मेडिकल सुविधा प्रदान की जाए। गुरतेज सिंह पीजीटी ने कहा कि रिटायर्ड कर्मचारियों को रेलगाड़ियों में किराए में 50 प्रतिशत छूट मिलती थी जोकि बंद कर दी गई है, उसे दोबारा बहाल किया जाए। कम्पुटेशन की कटौती 15 वर्ष से घटाकर 12 वर्ष की जाए। फैमिली पेंशन को एलटीसी की सुविधा दी जाए। कोरोना काल का 18 माह के डीए का भुगतान किया जाए। वरिष्ठ नागरिकों को एसी बसों, रेल व हवाई जहाज में रियायती यात्रा की सुविधा दी जाए। उन्होंने मांग की कि हरियाणा सरकार द्वारा रिटायर्ड कर्मचारियों की सुनवाई कर जल्द से जल्द उपरोक्त सभी मांगों को पूरा करना चाहिए। निर्मल सुधा ने कहा कि 15 फरवरी तक सदस्यता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके तहत अधिक से अधिक रिटायर्ड कर्मचारियों को संघ का सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में उग्रसेन गर्ग, गुरतेज सिंह, सुरजीत सिंह, जगरूप सिंह रोडवेज, श्रीराम पटवारी, गोपाल सिंह पटवारी, कालू राम मैहता, सोहन सिंह, बृज लाल हैडमास्टर, शविंद्र सिंह बराड़, मदन लाल, किशोरी लाल मैहता, सहित अन्य कर्मचारी नेता मौजूद रहे।

डबवाली। प्रदर्शन करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

शहीद उधम सिंह धर्मशाला के चारों तरफ रोड निर्माण में घपलेबाजी का आरोप

प्रधान ने उपायुक्त को शिकायत पत्र भेजकर की जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

- ढाई साल पहले सरकार ने सड़क बनवाने के टैंडर के लिए 25 लाख की राशि नगरपालिका का दी थी

कंबोज सुधार सभा रतिया के प्रधान भगवान दास ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व जिला उपायुक्त को एक शिकायत पत्र भेजकर बुढलाड़ा रोड पर कंबोज धर्मशाला के चारों तरफ बनने वाले 25 लाख रुपए के रोड निर्माण कार्य में घपलेबाजी करने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है।

प्रधान ने उपायुक्त को भेजे शिकायत पत्र में बताया कि शहीद उधम सिंह धर्मशाला के चारों तरफ की सडक़ कच्ची है जिसको पक्का करवाने के लिए शहीद उधम सिंह धर्मशाला की समिति द्वारा सरकार से ग्रान्ट की मांग की गई थी। तकरीबन ढाई साल पहले सरकार द्वारा उक्त सडक़ को बनवाने के टैंडर के लिए 25 लाख की राशि नगरपालिका रतिया को जारी कर दी गई थी। उस समय सडक़ का काम शुरू हुआ था।

प्रधान ने आरोप लगाया कि करीबन 2-3 लाख का काम करने के बाद सडक़ का काम बन्द कर दिया। इस बारे में शहीद उधम सिंह धर्मशाला की समिति नगरपालिका प्रशासन को कई बार मिल चुकी है लेकिन प्रशासन द्वारा अभी तक कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राशि जारी होने के बावजूद उक्त सडक़ अभी तक नहीं बनी है।

उन्होंने शक जाहिर किया कि जारी की गई राशि प्रशासन व अधिकारियों की मिलीभक्त से गबन कर दी गई है। कम्बोज समाज सुधार सभा के प्रधान भगवान दास ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व जिला प्रशासन को शिकायत पत्र भेजकर मांग की है कि शहीद उधम सिंह धर्मशाला, रतिया की उक्त सडक़ के लिए जारी की गई 25 लाख की राशि की इंक्वारी की जाए व अधूरे पड़े कार्य को पूरा करवाया जाए। साथ हो इस गबन में शामिल अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए।

भाजपा-आप एक ही थैली के चट्टे-बट्टेः शैलजा

सिरसा। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी शैलजा ने भाजपा को दिल्ली विधानसभा में मिली बढ़त पर कहा है कि भाजपा- आप एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। दस साल से केन्द्र में भाजपा की सरकार रही जबकि दिल्ली में आप पार्टी की। दिल्ली की बदहाली के लिए दोनों दल जिम्मेवार हैं। अब आगे देखेंगे मौका जो भाजपा को मिला है। ये कहते है दो पहियों की सरकार, मौका है इनके पास दिल्ली में काम करने का। हम भी विश्लेषण करेंगे पार्टी परफॉर्मेंस का,आगे क्या करना है पार्टी में मजबूती लानी है। पार्टी देखेगी कहां कमियां रहीं। हरियाणा में निकाय चुनाव के सवाल पर कहा कि पार्टी में कारपोरेशन व नगरपरिषद चैयरमेन सिम्बल पर चुनाव लड़ने की बात चल रही है नगरपालिका ओपेन ही रहेगा। मेरी यही आग्रह सबसे मिलजुलकर फैसले ले और सब पार्टी के हिसाब से काम करे। कुमारी शैलजा रानियां में मीडिया से बात कर रही थीं। इस दौरान उनके साथ संदीप नेहरा, जयपाल लाली, लाल बहादुर खोवाल, लाधुराम पूनिया, हरि कृष्ण, वीरभान मेहता, श्याम मेहता, आदि रहे।

थाना स्तर पर ग्राम पंचायतों तथा आमजन के साथ जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन

नशे जैसी बुराइयों पर अंकुश लगाने के लिए अनूठी पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

- ग्राम पंचायतों से की सहयोग की अपील

पुलिस व पब्लिक के और अधिक मधुर संबंध स्थापित करने तथा नशे व अपराधों पर और अधिक प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस की ओर से एक अनूठी पहल शुरू की गई है। अब जिला पुलिस थाना स्तर पर ग्राम पंचायतों तथा आमजन के साथ जनसंवाद स्थापित कर उनसे सहयोग प्राप्त कर नशे जैसी सामाजिक बुराई तथा अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस पब्लिक समन्वय बैठकों का आयोजन करेंगी। इसी कड़ी के तहत शनिवार पुलिस जिला सिरसा के सभी थानों में थाना प्रभारियों द्वारा ग्राम पंचायतों के साथ जनसंवाद स्थापित कर उनसे सहयोग की अपील की ताकि समाज को पूरी तरह से नशा मुक्त एवं अपराध मुक्त किया जा सके। पुलिस अधिकारियों ने इस अवसर पर ग्राम पंचायतों से अपील कि वे अपने छोटे-मोटे झगड़ों को पंचायती स्तर पर निपटाने का प्रयास करें ताकि गांव में भाईचारा मजबूत रहे। इसके अलावा गांवों में आपसी सहमति से ठीकरी पहरा भी लगवाना सुनिश्चित करें तथा अगर गांव में किसी प्रकार का संदिग्ध किस्म का व्यक्ति,वाहन अथवा कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें ताकि समय रहते हुए उचित कार्रवाई की जा सके। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने इस बारे जानकारी देते हुए बताया है कि समाज को पूरी तरह से नशा मुक्त व अपराध मुक्त बनाने के लिए सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ग्राम पंचायतों व आमजन के साथ जन संवाद स्थापित कर उनके साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर उनसे सहयोग ले तथा नशे व अपराधों पर कार्य ढंग से अंकुश लगाए। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायतों तथा आमजन के साथ और अधिक समन्वय स्थापित कर उनसे महत्वपूर्ण सूचनाओं प्राप्त कर समाज से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करना तथा अपराधो पर कारगर ढंग से अंकुश लगाना है।

जेएनवी खाराखेड़ी में प्रवेश परीक्षा, 9वीं और 11वीं के लिए विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

फतेहाबाद। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय खारा खेड़ी में शनिवार को कक्षा 9वीं व 11वीं में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन कराया गया। उपायुक्त एवं पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी की अध्यक्ष मनदीप कौर ने बताया कि जेएनवी, खारा खेड़ी में वर्ष 2025-26 में कक्षा 9वीं व 11वीं में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा सुबह 11.15 बजे से 1.45 बजे तक आयोजित करवाई गई। उक्त परीक्षा हेतु कक्षा 9वीं के लिए 548 तथा कक्षा 11वीं के लिए 111 अभ्यर्थी पंजीकृत किए गए थे। विद्यालय के प्राचार्य अनूप सिंह ने बताया कि कक्षा 9वीं के लिए पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी व डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल फतेहाबाद तथा कक्षा 11वीं के लिए पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। उन्होंने बताया कि प्रति वर्ष इस परीक्षा का आयोजन कक्षा 9वीं और 11वीं के नियमित विद्यार्थियों के अतिरिक्त रही सीटों पर प्रवेश के लिए जिले में कक्षा 8वीं तथा 10वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के द्वारा पूर्व में ही आवेदन किया जाता है। 9वीं कक्षा में प्रवेश के लिए 548 में से 432 अभ्यर्थियों तथा 11वीं कक्षा के लिए 111 में से 73 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। जिला स्तर पर बनाए गए दोनों ही परीक्षा केंद्रों पर इस प्रवेश परीक्षा को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया।

फतेहाबाद। जेएनवी खाराखेड़ी में प्रवेश परीक्षा के लिए पहुंचे विद्यार्थी।

महिला को बातों में उलझाकर सोने की तबीजी चुराई

सिरसा। बाबा रामदेव मंदिर में माथा टेकने के लिए आई एक महिला को बातों में उलझाकर दो व्यक्ति व एक महिला उसके गले से सोने की तबीजी चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में गांव बकरियांवाली निवासी महिला विद्या ने बताया कि बीती 7 फरवरी की सुबह वह बाबा रामदेव मंदिर में आई थी। भादरा बाजार में गली कालूराम वेद वाली में उसे दो व्यक्ति और एक महिला मिले, जिन्होंने उसे बातों में लगा लिया। बातों ही बातों में महिला ने उसके गले से सोने की तबीजी चोरी कर ली और वहां से चले गए। कुछ देर बाद उसने अपना गला संभाला तो तबीजी गायब मिली। उसने काफी दूरी तक तीनों को ढूंढा, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

सिरसा। स्कूल को खेलकूद का सामान भेंट करते बैंक अधिकारी।

केनरा बैंक ने कॉलेज को भेंट किया खेलकूद का सामान

सिरसा। चौधरी देवीलाल स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज पन्नीवाला मोटा में विभिन्न खेलकूद से संबंधित उपकरण केनरा बैंक की तरफ से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के तहत भेंट किए गए। इस मौके पर केनरा बैंक की ओर से मैनेजर रवि, अधिकारी राकेश व नीतू बाला, जबकि चौधरी देवीलाल स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज पन्नीवाला मोटा की ओर से डायरेक्टर मीना कुमारी, रजिस्ट्रार श्याम सुंदर, स्टाफ सुनील, पुनीत चावला, सुरेंद्र, खेलकूद विभाग से रमन कंबोज व रूबी मैडम मौजूद थे। मैनेजर रवि ने बताया कि बैंक अपने ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के दायित्व को भी बखूबी निभा रहा है। जिसके तहत अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वहीं कॉलेज डायरेक्टर मीना कुमारी ने सामान उपलब्ध करवाने पर बैंक पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम

पीएनबी ने होम लोन व सूर्य घर एक्सपो पर कार्यक्रम का किया आयोजन

जरूरतमंदों को तय सीमा के अंदर उपलब्ध करवाया जाएगा ऋणः वर्मा

यह एक्सपो पीएनबी की एक बहुत ही सकारात्मक और सशक्त पहल

- आवासीय योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा शनिवार को होम लोन व सूर्य घर एक्सपो पर कार्यक्रम किया गया। एक्सपो का शुभारंभ जिला परिषद के सीईओ सुभाषचंद्र ने किया। इस अवसर पर पीएनबी के प्रधान कार्यालय से अमर सिंह वर्मा, सहायक महाप्रबंधक तथा मंडल प्रमुख राजीव कुमार की उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़। !!!!!!!!!!!!!! फोटो : हरिभूमि

इसके अलावा सीडीएलयू के रजिस्ट्रार राजेश बंसल ने भी इस एक्सपो में शिरकत की। सुभाषचंद्र कहा कि यह एक्सपो पीएनबी की एक बहुत ही सकारात्मक और सशक्त पहल है, जिसमें आमजन को आवासीय योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल लोगों को घर खरीदने के अवसर मिलेंगे, बल्कि उन्हें वित्तीय रूप से भी सशक्त किया जाएगा। यहां विभिन्न बिल्डर्स ने भी अपने प्रोजेक्ट्स, लैट्स और अन्य आवासीय योजनाओं की जानकारी दी, जिससे लोगों को अपनी जरूरतों के अनुसार विभिन्न विकल्पों पर विचार करने का मौका मिला।

वर्मा ने बताया कि पंजाब नैशनल बैंक आसान एवं आकर्षक ब्याज दरों एवं न्यूनतम मासिक किस्तों पर आमजन को होम लोन एवं सोलर ऋण प्रदान कर देश एवं शहर की प्रगति में अपनी भागीदारी निभाने में सदैव अग्रणी रहा है। एक्सपो में मंडल प्रमुख राजीव कुमार ने इस आयोजन के महत्व को बताते हुए कहा कि यह एक्सपो सिरसावासियों एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए देश के किसी भी हिस्से में बैंक की वित्तीय सहायता से सुगमता के साथ घर का निर्माण करने एवं अपने खुद के घर का सपना साकार करने का एक सुनहरा अवसर है।

{ कवर स्टोरी / डॉ. ओम निश्चल }

वैसे तो मुहब्बत का कोई दिन मुकर्रर नहीं होता। ये कभी भी कहीं भी किसी को किसी से हो जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैलेंटाइन-डे को प्यार के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। मुहब्बत की कहानी तभी से शुरू हो गई थी, जब से इंसान ने धरती पर जन्म लिया। गुजरते वक्त के साथ इसकी मूल भावना भले न बदली हो पर इसके स्वरूप में बहुत बदलाव आ गए हैं। मुहब्बत की दास्तान और इसके बदलावों पर एक नजर।

दास्तान-ए-मुहब्बत
जज्बात वही-अंदाज नया

प्रेम ऐसा मानवीय अहसास है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहता। यह कुदरत की देन है। हमारी ऋतुएं भी प्रेम की बयार बहाने में मदद करती हैं।

बदल गया प्रेम का स्वरूपः इस वसुधा पर वसंत आता ही है, प्रेम का अहसास लेकर। वसंत और प्रेम का बहुत घना रिश्ता है। हमारा साहित्य प्रेम के ऐसे उद्गारों से भरा है। पहले के जमाने में प्रेम को सौ पर्दे में छिपाकर रखा जाता था कि कोई जान न ले। आज तो प्रेम जताने का चलन है। सोशल मीडिया ने सब कुछ उघार दिया है। लज्जा के वसन उतार फेंके हैं दिलफेंक प्रेमियों ने। लेकिन क्या वही प्रेम आज है, जो कभी हीर-रांझा में था, जो कभी रोमियो और जूलियट में था, जो कभी पिरामिस और थेसबी में था, जो लैला-मजनू में था? अब तो मजनू भी वैसे न रहे, न लैला ही, केवल मजनू के टीले बचे हैं, जहां प्रेम नदारद है। प्रेम की सुंदर अनुभूति को मनुष्य ने धीरे-धीरे बाजारू बना दिया है। हमने प्रेम की जड़ों को सींचने के बजाय काटना शुरू किया। हमने प्रेम के आख्यान लिखे, गीत लिखे, कविताएं लिखीं, मंदिरों के स्थापत्य को प्रेम के उत्कीर्णनों से भर दिया पर जीवन में प्रेम छीजता रहा।

प्रेम बिना जीवन हो जाए नीरसः कहते हैं, प्रेम एक ऐसी शै है कि यह छुप नहीं सकता। एक दिन सारी दुनिया जहान को पता चल ही जाता है कि बंदा प्रेम में है। लेकिन भले ही पता चल जाए, मुहब्बत करने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम जीवन को संतुलित करने का नाम भी है। प्रेम को, जो काम की ही एक चैतन्य संज्ञा है, पुरुषार्थ चतुष्टय का अपरिहार्य अंग है। काम न हो, प्रेम न हो, राग न हो, अनुराग न हो, आसक्तियां न हों तो जीवन काहे का। यह मशीन की गतिशीलता बनाए रखने वाले लुब्रीकेशन की तरह है। यह न हो तो जीवन नीरस हो जाए। कविवर नीरज ने कहा ही है, *'प्यार अगर थामता न पथ में/ अंगुली इस बीमार उमर की/ हर पीड़ा वेश्या बन जाती/ हर आंसू आवारा होता।'* इस तरह प्रेम जीवन का एक अपरिहार्य पहलू है।

बावरा मन करता है प्रेमः कभी गीतकार रामावतार त्यागी के पत्रों की एक पुस्तक हाथ लगी थी। नाम था-चरित्रहीन के पत्र। हर पत्र में संबोधन के साथ अंत में लिखा होता था, 'तुम्हारा चरित्रहीन।' अद्भुत प्रेम की छुअन लिए पत्र थे। त्यागी जी ने एक गीत में लिखा है, *'अक्लमंदी हमारे नाम के आगे नहीं जुड़ती/ मगर भोले नहीं इतना कि जितना आम दिखते हैं/ हमें हस्ताक्षर करना न आया चेक पर माना/ मगर दिल पर बड़ी कारीगरी से नाम लिखते हैं।'* सच, मुहब्बत में अक्लमंदी नहीं चलती। वह तो बावरे मन का काम हैं।

कवियों ने प्रेम के ही गीत गाए। सगुण और निर्गुण प्रेम की धारा बहाई। मीरा, रसखान, पद्माकर, रत्नाकर प्रेम के ही कवि हैं। कृष्णमूर्ति कहते थे, 'जहां निर्भरता और आसक्ति है, वहां प्रेम नहीं रह सकता।'

होने लगा है प्रेम का पूंजी प्रबंधनः प्रेम को प्रबंधन करने का दौर चल पड़ा है। दिल की राह पर चलने वाले लोग, उपहारों के उत्कोच से प्रेम को बांधने का जतन करते हैं। पर सच्चा प्रेम कब इन उपहारों से बंधा है। जहां उपहारों की बारिश खत्म, प्रेम और मुहब्बत की सारी नवाजिश हवा हो जाती है। फिर निराला के इस गीत जैसा हाल ही प्रेमियों का होता है- *स्नेह निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।*

प्रेम सीधे-सच्चे स्नेह का पथ है। इस राह पर छली, कपटी दूर तक नहीं चल सकता। प्रेम के कई रंग हैं- पारिवारिक प्रेम, आत्मिक प्रेम, दांपत्य प्रेम, रूहानी प्रेम। इसी अनुरागमयता से यह संसार चल रहा है।

आया चट चैट-पट प्यार का दौरः प्रेम का जैसा लौकिक और अलौकिक बखान हमारे साहित्य में है, समाज में बिल्कुल नहीं। प्रेम सांसारिक भोग और विलास में बदल गया। आज मोबाइल पर हर दूसरा मैसेज प्यार का लिखा जा रहा है। हर शख्स आई लव यू के बुखार से ग्रस्त है। चट चैट, पट प्यार का फार्मूला ईजाद हो रहा है पर प्यार है कि जीवन में घुल ही नहीं रहा। अब चिट्ठियों का जमाना नहीं रहा कि महीनों लिफाफे से मुहब्बत की खुशबू आती थी। लोग उसे दिल के तहखाने में छुपा के रखते और एकांत में खोल कर पढ़ा करते थे। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स प्यार के इजहार का मंच बन गए हैं। प्रेम और वासना की रीलें बनाई जा रही हैं। इंटरनेट प्रेम कहानियों से भरा है, पर जीवन मे प्रेम नदारद है।

जरूर खोलिए प्यार का एकाउंटः एक बार फिर वैलेंटाइन-डे आ पहुंचा है प्रेम की याद दिलाने। वह जैसे हमारी देहरी पर दरवाजा खटखटा रहा है। लेकिन सच्ची मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग अब नहीं दिखते हैं। ऐसा इसलिए कि हमने सच्चे दिल से अपने जीवन में प्रेम का खाता नहीं खोला। इसलिए यदि जीवन को बचाना है, समाज को बचाना है, मन को बेगानेपन से बचाना है तो क्रिएट ए लव एकाउंट। प्रेम का खाता जरूर खोलिए जीवन में। मुहब्बत के जज्बे को संकीर्ण न होने दीजिए। एक हाथ मुहब्बत का आगे बढ़ाइए, देखिए सौ हाथ आगे बढ़ कर आपका हाथ थाम लेंगे। तब आप भी नीरज की तरह कह उठेंगे, *'एक नहीं, दो नहीं, करोड़ों साझी मेरे प्यार में।'* *

प्रेमारंभ की प्राचीन मान्यता

प्रेम की भावना यों तो हर किसी में इनबिल्ट होती है, पर सदियों पुरानी कहानी है, जब ईडन गार्डेन में आदम ने दो पक्षियों, दो पशुओं को आपस में अभिसार-मुद्रा में देख ईश्वर से पूछा कि यह क्या है? तो ईश्वर ने कहा यह प्रेम है। ये सभी प्रेम में आबद्ध हैं। तब उदास होकर आदम ने कहा मेरे जीवन में तो कोई है ही नहीं। मैं किससे प्रेम करूं? ईश्वर ने कहा, 'तुम प्रतीक्षा करो कल तक।' कुछ देर में आदम को वहीं एक पेड़ के नीचे गहरी नींद आ गई। जगा तो उसे एक सुंदरी दिखी। वह उसके प्रेम के वशीभूत हो बैठा। प्रेम के इस वर्जित फल को चखने का परिणाम ही है यह सृष्टि।

महान हस्तियों के यादगार प्रेम पत्र

आज के दौर में प्रेमी युगल को भले ही अपनी फीलिंग प्रकट करने के लिए पत्र लिखने की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन प्रेम पत्र लिखने का दौर भी बहुत खूबसूरत रहा है। कई प्रसिद्ध हस्तियों के पत्र तो आज भी हर प्रेम करने वाले के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं।

{ अहसास / डॉ. अनिता राठौर }

जब से मैंने आपके बारे में सुना है, मेरे प्रभु! मैं आपकी ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गई हूं। कृपया शिशुपाल से मेरे विवाह से पहले अवश्य आएं और मुझे ले जाएं। अगर आप मुझ पर यह कृपा नहीं करते हैं, तो मैं उपवास और कठोर व्रतों का पालन करके अपना जीवन त्याग दूंगी। तब शायद अगले जन्म में मैं आपको प्राप्त कर सकूंगी।' यह संसार का संभवतः सबसे पहला प्रेम पत्र है, जो रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को लिखा था। यह पत्र हमें श्रीमद्भागवतम के सर्ग 10 के अध्याय 52 में मिलता है।

पत्रों में व्यक्त होती थीं भावनाएंः जब कॉल्स व इंस्टेंट मैसेजिंग का दौर नहीं था। तब प्रेमी अपने इश्क का इजहार करने के लिए अपने जज्बात शब्दों में पिरोकर कागज पर अंकित कर दिया करते थे। चिट्ठियों का वो दौर भी क्या दौर था कि प्रेमी या प्रेमिका के लिए दिल की गहराइयों से निकले हुए सुनहरे अल्फाज साहित्य की अमर कृतियां बन गई हैं।

कैफी आजमी-शौकतः बीस दिन गुजर चुके थे और शायर कैफी आजमी को अपनी प्रेमिका शौकत (बाद में पत्नी) की कोई खबर नहीं मिली थी। उन्हें लगा कि शौकत उनसे किसी बात पर नाराज हो गई हैं। उन्हें मनाने के लिए रात में 1 बजे कैफी ने अपने खून से एक प्रेम पत्र लिखा, 'तुम्हें लिखने के बाद मैंने लिफाफे को बंद किया और बिस्तर में चला गया यह सोचते हुए कि कुछ नींद आ जाएगी, लेकिन नींद नहीं आई। मैंने तुम्हारे पिछले खत को फिर पढ़ा और अपने आंसू रोक न सका। शौकत, ये मेरी बदकिस्मती है कि तुम्हें मुझ पर या मेरे प्यार पर यकीन नहीं है। कुछ दिन से मैं कुछ नहीं सोच रहा हूं, सिवाय इसके कि तुम्हें किस तरह से यकीन दिलाऊं कि मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैंने एक ब्लेड से अपनी कलाई पर गहरा घाव कर लिया है और अब अपने खून से तुम्हें खत लिख रहा हूं। महीनों मैंने अपने प्यार के लिए आंसू बहाए हैं और अब मैं खून बहा रहा हूं। मुझे नहीं मालूम हमारा भविष्य क्या है। मोती (शौकत का प्यार का नाम), मुझे बहुत गहरा सदमा लगा है। तुम ये कैसे लिख सकती हो- 'अब मैं जान गई हूं कि उसकी आंखें मुझ पर नहीं हैं बल्कि किसी और पर हैं, जो उसे समझती नहीं है, न ही वह उसे समझना चाहती है?' इन शब्दों को वापस ले लो, शौकत, और मेरे प्यार का मजाक मत उड़ाओ। अगर तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकती, तो कोई बात नहीं। तुम्हें प्यार करते ही मैं जान गया था कि मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है। खुदा मेरी हिफाजत करेगा। तुम्हें मेरे प्यार पर, मेरे इरादे पर शक है कि मैं तुमसे शादी करूंगा या नहीं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एक दिन मैं तुम्हे और दुनिया को साबित कर दूंगा कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरी शौकत, मेरा और मेरे प्यार का क्या होगा। हम तुम एक दूसरे से इतनी दूर हैं कि तुम्हारे लिए मेरे दर्द को देखना मुमकिन नहीं है। अगर तुम्हें मेरी कोई बात बुरी लगी हो तो मुझे माफ कर देना। प्यार और ढेर सारा प्यार, तुम्हारा कैफी।'

शौकत के साथ कैफी आजमी

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉनेः रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की प्रेमिका फैनी ब्रॉने ने उनके प्रेम पत्र पढ़कर लिखा था, 'मुझे वह शब्द मत लिखो, जिनसे तुम्हारा ज्ञान-काबिलियत प्रकट होती हो, बल्कि वह अल्फाज लिखो जो तुम्हारे दिल की गहराइयों से निकले हों।' इसके बाद कीट्स ने अपने प्रेम पत्रों की शैली बदल दी थी और अपने दिल के जज्बात कागज पर बयान करने लगे थे। एक बानगी देखिए, 'तुम हमेशा नई लगती हो। तुम्हारा पिछला चुंबन सबसे अधिक मीठा था, तुम्हारी पिछली मुस्कान सबसे अधिक चमक लिए हुए थी, तुम्हारा नागिन की तरह पिछला चलने का अंदाज सबसे अधिक दिलकश था। जब कल तुम मेरी खिड़की के पास से गुजरी थीं तो मेरे प्यार भरे जज्बात वैसे ही उमड़े थे, जैसे तुम्हें पहली बार देखने पर उमड़े थे। अगर तुम मुझसे प्यार न भी करतीं तो भी मेरा प्यार सारी उम्र तुम्हें ही समर्पित रहता।'

व्लादिमीर नबोको-वेराः व्लादिमीर नबोकोव की वेरा से पहली मुलाकात 1921 में हुई थी। व्लादिमीर के वेरा के लिए पत्र अपनी पूर्णता में यादगार हैं। एक पत्र में उन्होंने लिखा है, 'मेरी कोमल कली, मेरी खुशी, मैं तुम्हारे लिए क्या शब्द लिखूं? यह कितना अजीब है कि मेरा जीवन कार्य कागज पर कलम चलाना है, लेकिन मैं यह नहीं जानता कि तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं। ऐसी उत्तेजना और ऐसी दैविक शांति पिघलता बादल धूप में गुम होते हुए खुशी का पहाड़ और मैं तुम्हारे साथ तैर रहा हूं। तुम में, जलता, पिघलता और पूरा जीवन तुम्हारे साथ बादलों की गति जैसा है, उनका हवाई, शांत गिरना, उनका हल्कापन कोमलता और रंग भरी आसमानी विविधता-मेरा प्रेम। मैं इस एहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।' *

{ प्रेम-गीत / विनोद श्रीवास्तव }

प्यास को मानसरोवर दिया

बंजर ही बंजर था
किसने हरा-भरा कर दिया
प्यास को मानसरोवर दिया।
अग्निशरों से बींध-बींधकर
छलनी कर दी काया
फेंक दिया तपती धरती पर
मांग रहा था छाया।
पतझर ही पतझर था
किसने फूलों का घर दिया
अधर पर वंशी को धर दिया।
मंदिर-घाट-हाट-मेले की
सुधियां हैं गहराईं
उजड़े डेरे सोच-सोचकर
आंखें हैं भर आईं।
अक्षर ही अक्षर था
किसने प्राणों को स्वर दिया
कंठ को गीतों से भर दिया।

{ व्यंग्य / राकेश सोहम }

वैलेंटाइन डे पर हुई मुसीबत

वैलेंटाइन डे के दिन जब वे अपनी पत्नी के साथ टहलने पहुंचे। जब चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

इधर 'वैलेंटाइन डे' का त्यौहार सिर पर है और दिमाग का दही हुआ पड़ा है। यह दिवस एक देशव्यापी त्यौहार बन गया है, जो प्रति वर्ष नियत तिथि पर मनाया जाता है। यह अनोखा त्यौहार बाजारों में भारी चमक-दमक के साथ आता है, लेकिन मनाने में दम निकल जाता है। कई लोगों को हर्षोल्लास की बजाय चोरी-छिपे मनाना पड़ता है। उपहारों का आदान-प्रदान गोपनीय रखना पड़ता है।

गो कि मिठाई चुपके से 'गप' कर लो और चबाते हुए मुंह चलाने का पता भी न चले। युवा अपने अभिभावकों से मुंह छिपाए घूमते हैं। वे घरों से निकलते हैं, अपनी वैलेंटाइन के लिए उपहार खरीदते हैं और उपहार को निपटा कर ही वापस लौटते हैं। बेचारे उम्रदराज, बड़ी उलझन में होते हैं। अधिकार प्राप्त निजी वैलेंटाइन के साथ भी मुश्किल में पड़ जाते हैं।

मेरे जैसे सठिया, खूसठों के द्वारा यह त्यौहार मनाना तो दूर, कुछ सूझता तक नहीं है! वैलेंटाइन डे की बात सूझने मात्र से पत्नी जी का मुंह सूज जाने का भय बना रहता है। उसे दुनिया की सभी स्त्रियों में वैलेंटाइन दिखाई देने लगती है। घर के दरवाजे पर आई बेचारी सेल्स गर्ल अपने उत्पाद के बारे में कुछ बताए, इसके पूर्व पत्नी इतना उत्पात मचा देती है कि वह पतली गली से भाग निकलती है।

एक वाकया याद आ रहा है। पिछले साल हुआ यों कि 'वैलेंटाइन डे' पर अपनी असली पत्नी के साथ 'टहलू पार्क' में टहलने गया था। हम चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?'

मैंने शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?'

उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

मुझे क्रोध आया, 'हम थक गए थे। अब बैठे सुस्ता रहे हैं।'

वह जोर से हंसा, 'अरे उम्र का लिहाज करो। थकाने वाले काम करते क्यों हो?'

मुझे उसका मंतव्य समझ आ गया, अतः हाथ जोड़कर कहा, 'टहलते हुए थकान हो गई थी इसलिए बैठे हैं, अभी चले जाएंगे।'

मेरी बात समाप्त होते ही वह तपाक से बोला, 'किसके साथ बैठे हो?'

मैंने सीना ठोक कर कहा, 'पत्नी के साथ?'

उसने पत्नी जी को देखा। फिर मुझे देखा और बोला, 'किसकी पत्नी?' दरअसल, पत्नी जी अब भी पुरानी कविता सी दिखती हैं और मैं आज के व्यंग्य जैसा बिखरा-बिखरा खड़स हो गया।

मैंने पत्नी जी का हाथ पकड़ा और अकड़ते हुए जवाब दिया, 'मैं अपनी पत्नी के साथ हूं, समझे।'

वह पुलिसिया डंडा घुमाते हुए बोला, 'हम कैसे मान लें?'

फिर हम दोनों के हाथ पर डंडा रख दिया। मुझे अपने 'आधार' की ताकत याद हो आई। मैंने अपने कुर्ते की जेब से दोनों के आधार कार्ड निकाल कर उसकी हथेली पर पटक दिए। वह डंडे को अपनी बगल में दबाए पैर फैला कर खड़ा हो गया और कार्ड्स में छपे छाया चित्रों से हमारी सूरतें मिलाने लगा। फिर दूसरे हाथ से टोपी के अंदर अपनी खोपड़ी खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हारी सूरत को ठीक मान भी लें... पत्नी जी की सूरत मेल नहीं खा रही!'

मुझे 'आधार' निराधार लगने लगा। हालांकि, भ्रम हमें भी था कि हमारे आधार कार्ड में छपी सूरतें हमारी ही हैं!

तभी पार्क से हमारे पड़ोसी के बच्चे की आवाज आई, 'अरे! अंकल-आंटी आप लोग यहां हैं, मैं कब से आप लोगों को ढूंढ़ रहा हूं। घर में ताला पड़ा है और जीनू भैया आप लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

हम दोनों बिना कुछ कहे घर की ओर चल दिए। सुरक्षा कर्मी डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ गया। मैंने चलते हुए पत्नी जी से कहा, 'तुम तो कभी मेकअप करती नहीं। लेकिन फोटो खिंचाते समय क्या लिपस्टिक लगाना जरूरी है? बेचारा! सुरक्षाकर्मी कन्फ्यूज हो गया था।'

पत्नी जी ने कनखियों से मुझे देखा, 'मैं हूं ही इतनी सुंदर।'

मैंने उनके कदम से कदम मिलाते हुए कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन डे।' वो मुस्कुरा दीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम में भीगी कविताएं

सुपरिचित कवयित्री-समालोचक डॉ.रचना तिवारी का नया कविता संग्रह 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' हाल में प्रकाशित होकर आया है। हालांकि इस संग्रह में आदिवासी महिलाओं के जीवन का संघर्ष, कोविड की विभीषिका से उपजे मार्मिक दृश्य, स्त्रियों की आकांक्षा और उनके द्वंद्व समेत जीवन की बहुरंगी अनुभूतियों को कई कविताओं में पिरोया गया है। लेकिन संग्रह में संकलित कविताओं का मूल स्वर प्रेमानुभूति से उपजा है। यहां उन्होंने प्रेम की कोमल अनुभूतियों को बहुत संजीदगी से व्यक्त किया है। *'तुम लिख दो मुझे/यहां से वहां तक / जिस की सड़क/मेरे इस छोर से/तुम्हारे उस छोर तक जाती हो।'* (तुम लिख दो मुझे) संग्रह की शीर्षक कविता 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' में वह लिखती हैं, *'वे नहीं होते/साथ चलने के लिए/वे वनवास काटते हुए/अनकहे और अनसुने रहने के लिए होते हैं/वे एक दूसरे के पूरक होते हुए भी/अधूरे रहने के लिए होते हैं।'* कहने की जरूरत नहीं कि प्रेम पर अब तक असंख्य कविताएं लिखी जा चुकी हैं लेकिन प्रेम में भीगी ये कविताएं, उन प्रेम कविताओं में अलग से पहचान बनाने में सक्षम हैं। *

पुस्तकः कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, लेखिकाः डॉ. रचना तिवारी, मूल्यः199 रु, प्रकाशकः सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

{ बदलाव / लोकमित्र गौतम }

प्रेम अब पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। डिजिटल प्रेम के नए स्वरूप से एक ओर जहां प्रेमियों को आपस में संपर्क बनाए रखना आसान हो गया है, वहीं प्रेम संबंधों ने जाति, धर्म और देश की सीमाओं को भी पार कर दिया है। डिजिटलाइजेशन ने प्रेम के स्वरूप को कैसे बदल दिया, इससे ग्रामीण भारत के युवाओं में क्या बदलाव आए हैं, यह जानना दिलचस्प है।

हर कहीं लिखी जा रही हैं डिजिटल प्रेम की दास्तानें

पिछली सदी के 90 के दशक के मध्य में आया मोबाइल और इस 21वीं सदी में हुई डाटा क्रांति ने गांव और शहर के बीच की दूरियां बहुत हद तक मिटा दी हैं। सोशल मीडिया ने एक झटके में 90 से 95 फीसदी तक दोनों के बीच गैप को पाट दिया है। आज जिस तरह शहर की युवा पीढ़ी मोबाइल से चिपकी रहती है, उसी तरह से गांवों की युवा पीढ़ी को भी मोबाइल का रोग लग चुका है। गांव और शहर की जीवनशैली में पहले इतनी ज्यादा समानता कभी नहीं थी, जब तक मोबाइल क्रांति नहीं हुई थी और सोशल मीडिया के तूफान ने हमारे खान-पान और पहनने से लेकर सोचने-समझने तक की दुनिया में इतना हस्तक्षेप नहीं किया था। आज कोई ऐसा फैशन नहीं है, जो मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए शहरों के साथ-साथ गांव न पहुंचता हो। नई-नई आदतें, नई-नई भाषाई अभिव्यक्तियां और जाहिर है, नए-नए इमोशन भी अब गांवों और शहरों के युवाओं के बीच एक से हो गए हैं।

हर कहीं वैलेंटाइन का उत्साह

यह अकारण नहीं है कि आज के दौर में महानगरों से ज्यादा वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर उत्साह, ग्रामीण युवाओं में देखा जाता है। सोशल मीडिया ने सबसे ज्यादा गांवों की नई पीढ़ी को ही प्रभावित किया है और जाहिर है, यह प्रभाव उन मामलों में सबसे ज्यादा पड़ा है, जिनमें एक जमाने तक गांवों और शहरों में स्पष्ट दूरियां थीं यानी प्रेम और शादियां। मोबाइल क्रांति और सोशल मीडिया के उभार के बाद ग्रामीण समाज विशेषकर प्रेम और शादियों को लेकर एक नए तरह के बदलाव से गुजर रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि मोबाइल ने गांवों में विशेष तौर पर पुरानी और नई पीढ़ी के बीच सबसे ज्यादा सांस्कृतिक तनाव पैदा कर दिया है। इसलिए देखने वाली बात यह है कि वैलेंटाइन-डे जैसे मौके और इन मौकों से जुड़ी भावनाओं ने आखिर ग्रामीण समाज में किस तरह की उथल-पुथल मचा दी है।

प्रेम-विवाह से आए नए तनाव

80 के दशक तक हिंदुस्तान में जहां इंडिया और भारत जैसे एक दूसरे से काफी दूर-दूर दो पहचानें, साथ-साथ अस्तित्व में थीं, इंटरनेट और मोबाइल के बाद भारत और इंडिया के बीच निःसंदेह एक झटके में दूरियां घटी हैं, लेकिन इन दूरियों के घटने का नतीजा भारी तनाव के रूप में सामने आया है। भारत के गांव जो कभी पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामुदायिक नियंत्रण से संचालित होते थे, अब मोबाइल तकनीक के चलते वैयक्तिक निर्णयों के दौर से गुजर रहे हैं। मोबाइल फोन ने पहली बार ग्रामीण युवाओं को ही नहीं महिलाओं को भी जबर्दस्त स्वतंत्रता दी है और उनकी यह आजादी बहुत सारे फैसलों में साफ-साफ दिखती है। लेकिन सबसे बड़ा तनाव जिस एक वजह से पैदा हुआ है, वह मोबाइल के चलते युवाओं को हासिल हुई प्रेम करने की सुविधा और ग्रामीण समाज में उस प्रेम को विवाह के रूप में परिवर्तित होने में पैदा की जा रही बाधाओं ने बहुत भारी तनाव पैदा कर दिया है। ऐसी खबरें कम ही आती हैं कि मोबाइल क्रांति के बाद गांवों में युवाओं के बीच प्रेम और प्रेम विवाह किस तरह से लड़ाई-झगड़े यहां तक कि मारपीट और रंजिश का बड़ा कारण बनकर उभरे हैं। हाल के सालों में गांवों में 40 फीसदी से ज्यादा युवा साफ-साफ अपने मन की शादी करने और प्रेम करने की आजादी का इजहार कर चुके हैं और उनकी दो-तीन पीढ़ियों के पहले वाले मां-बाप इस सबको स्वीकार करने के जबर्दस्त तनाव में है, जिससे नए तरह के अपराध घटित हो रहे हैं।

खुलने लगे इंटरनेशनल अफेयर के दरवाजे

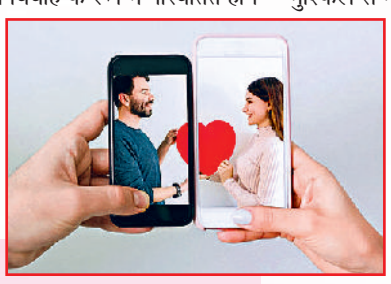

आज शहरी और ग्रामीण प्रेम में बहुत फर्क नहीं रह गया है, क्योंकि दोनो ही जगह 90 फीसदी प्रेम, मोबाइल और व्हाट्सएप के जरिए हो रहा है। इसलिए उनके नतीजे एक जैसे हैं। जिस तरह आज शहर डिजिटल प्रेम में कसमसा रहे हैं, उसी तरह से गांवों में भी डिजिटल प्रेम पारंपरिक मासूमियत को टाटा कर रहा है। एक जमाना था, जब गांवों में प्रेम-प्रसंग के लिए बहुत मुश्किल से मौके मिलते थे। क्योंकि पूरा का पूरा ग्रामीण समाज ही एक तरह से प्रेम के विरोध में निगरानी पर डटा रहता था। लेकिन अब मोबाइल फोन, व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम ने गांवों के युवाओं को भी न सिर्फ प्रेम के इजहार की खुली दुनिया मुहैया कराई है बल्कि अब गांव के युवा भी शहरी लड़कियों से ही नहीं बल्कि सुदूर देशों की लड़कियों से भी इश्क लड़ा रहे हैं। हाल के दिनों में बिहार के गांवों में ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से आकर लड़कियों ने जिस तरह से शादियां की हैं और भारत तथा पाकिस्तान के बीच सब तरह की राजनीतिक रस्साकशी के बाद जिस तरह से दोनों ही देशों में एक-दूसरे के यहां से लड़कियां बगावत करके शादी के लिए पहुंच रही हैं, उससे मानना ही पड़ेगा कि डिजिटल युग के इस प्रेम में किसी तरह की निगरानी कामयाब नहीं हो रही है। *

हर कहीं होती है चैटिंग-स्नैपिंग

पहले प्रेम चोरी-चोरी, चुपके-चुपके होता था। फिर उससे आगे पत्र व्यवहार के जरिए भी चोरी छुपे ही आगे बढ़ता था। प्रेमी एक दूसरे तक अपने प्रेम पत्र पहुंचाने के लिए जान पर खेलकर नई- नई तकरीबें ढूंढ़ते थे। लेकिन अब एक झटके में इस सबकी जरूरत खत्म हो गई है। अब सीधे, चैटिंग, वीडियो कॉलिंग और स्काइ स्नैपिंग का दौर है। जिस पर कोई भी पहरा कारगर नहीं है। यही कारण है कि पहले गांव में जहां स्वतः युवा पीढ़ी प्रेम संबंध बनाते समय अपनी जातियों और धर्मों का ख्याल रखती थी, वहीं अब ये सारी सीमाएं एक झटके में टूट गई हैं और अंतर्जातीय और अंतर्धार्मिक प्रेम संबंध खूब बढ़ रहे हैं।

प्रेम कहानियों में एक-दूसरे को संदेश पहुंचाने के लिए कबूतरों का जिक्र आता ही है। आज के डिजिटल दौर में पलक झपकते ही प्रेमी-प्रेमिका अपना संदेश पहुंचा लेते हैं लेकिन सदियों से कबूतरों का संदेशवाहक के रूप में प्रयोग किया जाता रहा है।

सदियों तक रहा प्रेमियों का संदेशवाहक कबूतर

{ रोचक / के. पी. सिंह }

फरवरी माह आते ही सदियों तक प्रेमियों के संदेशवाहक रहे कबूतरों की याद आने लगती है। कबूतर और स्वान पक्षियों की चर्चा हमेशा प्रेम आख्यानों के साथ जुड़ी रही है, क्योंकि ये प्रेम और वफादारी के प्रतीक माने जाते हैं।

कबूतरों में होती है विलक्षण क्षमताः इंसान ने सदियों पहले कबूतरों के साथ एक कम्युनिकेशन सिस्टम विकसित किया था, जिसे 'हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन' कहा जाता था। वास्तव में यह संचार व्यवस्था, कबूतरों की दिशा पहचानने के मामले में अद्भुत क्षमता के कारण विकसित हुई। कबूतरों में घर लौटने की अद्भुत क्षमता होती है। इसे 'हॉमिंग इंस्टिंक्ट' कहते हैं। हालांकि आधुनिक बेतार संचार व्यवस्था के उच्च स्तर पर विकसित होने के कारण अब दुनिया में हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन का इस्तेमाल करीब-करीब खत्म हो चुका है, लेकिन कहीं-कहीं लोग शौकिया तौर पर और कहीं कहीं विशिष्ट तकनीक के रूप में इसका इस्तेमाल करते हैं। हालांकि वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि कबूतरों में आज भी संदेशवाहक बनने की क्षमता मौजूद है। कबूतरों के दिमाग में 'मैग्नोरिसेप्टर' मौजूद होता है, जिससे वे पृथ्वी के चुबंकीय क्षेत्र को समझ पाते हैं और लंबी दूरी तक सही दिशा की पहचान कर सकते हैं। यही नहीं कबूतर सूरज की स्थिति और वातावरण में गंध का उपयोग करके भी रास्ता पहचानते हैं। इसका सबूत ये है कि किसी कबूतर को अगर एक जगह लंबे समय तक रखकर पाला जाए, तो उसे कितने ही अजनबी ढंग से किसी अंजान जगह में छोड़ दीजिए, वह अपने पुराने स्थान पर हर हाल में लौट आएगा।

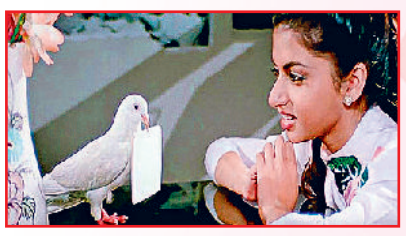

फिल्म 'मैंने प्यार किया' के गीत का एक दृश्य

सदियों से निभाते रहे हैं संदेशवाहक की भूमिकाः हालांकि यह ठीक-ठीक कहीं तथ्य के रूप में दर्ज नहीं है कि पहली बार कबूतरों को संदेशवाहकों के रूप में किस देश ने और कब प्रशिक्षित किया, लेकिन तीन हजार साल पहले के ऐतिहासिक दस्तावेजों को देखें तो मेसोपाटामिया, मिस्र और फारस में ऐसे साक्ष्य मिलते हैं कि लोग कबूतरों का इस्तेमाल निजी संदेश पाने और भेजने के लिए किया करते थे। प्राचीन मिस्र की चित्रलिपि 'हायरोग्लिफिक्स' में कबूतरों के ऐसे चित्र और उनके उल्लेख ईसा के 2900 वर्ष पूर्व के मौजूद हैं। इससे पता चलता है कि करीब 5000 साल पहले लोग कबूतरों का इस्तेमाल संदेश भेजने और पाने के लिए किया करते थे। मिस्र की तरह ही यूनान में भी करीब 2700 साल पहले ओलंपिक खेलों के विजेताओं की घोषणा करने के लिए एथेंस से दूसरे विभिन्न शहरों के लिए कबूतरों को खिलाड़ियों की सूची के साथ भेजा जाता था। माना जाता है कि करीब 1900 साल पहले जूलियस सीजर की सेना कबूतरों का सैन्य संदेश भेजने और पाने के लिए उपयोग करती थी। अगर भारत की बात करें तो मुगलों के दौर में खासकर अकबर और औरंगजेब कबूतरों के जरिए अपने मित्रों को संदेश भेजने और उनसे संदेश पाने के लिए किया करते थे। वे इन्हें हवाबाज कहते थे।

फिल्मों में भी किया इस्तेमालः बॉलीवुड फिल्म 'मैंने प्यार किया' में 'कबूतर जा जा जा..' जैसा गाना विशुद्ध रूप से किसी शायर की कल्पना नहीं बल्कि देश के कई हिस्सों में अभी भी निजी तौर पर कबूतरों के माध्यम से प्रेम संदेश भेजने की यह व्यवस्था बनी हुई है, लेकिन इनका कोई रिकॉर्ड नहीं रखा जाता।

आज भी किया जाता है उपयोगः ऐसी भी बात नहीं है कि पश्चिमी देश, जहां सारी आधुनिक कम्युनिकेशन तकनीक विकसित हुई है, वहां कबूतरों की खासियत कोई जानता ही न हो। सच तो यह है कि आज भी ब्रिटेन और अमेरिका की सेना में आपदा राहत अभियानों के दौरान दर्जनों प्रशिक्षित कबूतरों का इधर से उधर संदेश भेजने और पाने में इस्तेमाल किया जाता है। चीन में तो कुछ दशकों पहले तक इनकी बकायदा एक सैन्य टुकड़ी ही हुआ करती थी, जो पीपुल्स आर्मी को मदद करती थी। फ्रांस में भी कुछ पुरानी सैन्य ईकाईयों में आज भी इनका उपयोग होता है। *

नहीं भूल सकते वो प्यारे पल

{ एक्सप्रेशंस }

किसी से प्यार होना बहुत ही खूबसूरत अहसास है। पहली मुलाकात फिर दोस्ती, इसके बाद प्यार और शादी। इस सुहाने सफर में यादगार पल भी होते हैं। नामचीन टीवी आर्टिस्ट्स बयां कर रहे हैं अपने वो खूबसूरत अहसास। साथ में यह भी बता रहे हैं कि उन्हें अपने पार्टनर से कितना प्यार है?

दोस्ती सच्चे प्यार की नींव होती है राधिका मुथुकुमार

शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में वृंदा का किरदार निभा रहीं राधिका मुथुकुमार अपने जीवन में प्यार को बहुत महत्व देती हैं। जीवन साथी अभिषेक अय्यर से अपनी पहली मुलाकात, प्यार और शादी के बारे में वह मंद-मंद मुस्कुराते हुए बताती हैं, 'हमारी अभिषेक से पहली मुलाकात शादी से करीब एक साल पहले 2019 में मुंबई में हुई थी। हालांकि इससे पहले हम फोन पर और मैसेज के जरिए बात करते थे। मुलाकात के बाद धीरे-धीरे पहले दोस्ती हुई, यह दोस्ती प्यार में बदल गई। बाद में हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए। मुझे लगता है कि वैवाहिक रिश्ते में बंधने से पहले दोस्त बनना जरूरी है, क्योंकि सच्चे प्यार की नींव दोस्ती पर ही टिकती है।' अपने पार्टनर के साथ अपनी बॉन्डिंग और साथ बिताए खूबसूरत पलों के बारे में राधिका बताती हैं, 'मेरा अपने पार्टनर के साथ बिताया प्यार भरा कोई एक पल खास नहीं है, हमारे प्यार का हर पल खास है। मैं अपने प्यार के हर पल को दिल में सहेजकर रखती हूं। अभिषेक के साथ हमारा रिश्ता इसलिए मजबूत है, क्योंकि हमारे बीच गहरी दोस्ती है। हमारी दोस्ती में एक पारदर्शिता होती है। अभिषेक मेरी बहुत परवाह करते हैं, वह मुझसे बहुत ज्यादा प्यार करते हैं, मैं भी उन्हें बेइंतहा प्यार करती हूं।' *

नताशा मेरी सबसे बड़ी ताकत है : आदित्य रेडिज

सोनी सब चैनल के शो 'तेनाली रामा' में कृष्ण देव राय का रोल प्ले कर रहे आदित्य रेडिज की अपनी वैलेंटाइन नताशा शर्मा से पहली मुलाकात उनके पहले शो के प्रोड्यूसर के साथ मीटिंग के समय हुई थी। आदित्य बताते हैं, 'मैं जब प्रोड्यूसर के केबिन में दाखिल हुआ तो नताशा बैठी थी। उसकी मौजूदगी में कुछ तो ऐसा था, जो मुझे अपनी ओर खींच रहा था। किस्मत से हम दोनों उस शो के लीड कपल के तौर पर फाइनल हुए। वक्त के साथ हमने एक-दूसरे को समझा, इसके बाद हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए।' आदित्य आगे बताते हैं, 'जहां तक नताशा के साथ किसी यादगार लम्हे की बात है तो वो है, हमारे बेटे आर्यांश के जन्म का दिन। जब पहली बार मैंने और नताशा ने उसे एक साथ अपने हाथों में लिया। वो एहसास, वो खुशी हम दोनों के दिल में हमेशा बसी रहेगी। इस वैलेंटाइन-डे पर मैं नताशा से कहूंगा, वो सिर्फ मेरी पत्नी ही नहीं है, मेरी सबसे बड़ी ताकत और मार्गदर्शक भी है।' *

हमारा रिश्ता जादुई प्रेम कहानी जैसा है : आयुषी खुराना

जी टीवी के शो 'जाने अंजाने हम मिले' में रीत चौधरी का रोल निभा रहीं आयुषी खुराना और सूरज कक्कड़ की शादी को अभी कुछ ही महीने बीते हैं। सूरज से पहली मुलाकात और अपने रिश्ते के बारे में आयुषी बताती हैं, 'सूरज और मैं पहली बार एक एपिसोडिक शो के सेट पर मिले थे। शुरुआत में हमारे बीच हल्की-फुल्की नोक-झोंक, फ्लर्टिंग और मजाक-मस्ती होती रहती थी। लेकिन धीरे-धीरे हमारे गहरे रिश्ते बन गए और बाद में हमारी शादी हो गई। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो यह सच में एक जादुई प्रेम कहानी लगती है।' आयुषी अपने प्यार से जुड़े कुछ यादगार पल साझा करती हैं, 'हम एक गांव में शूटिंग कर रहे थे। सूरज को शेव करनी थी, लेकिन वहां आस-पास शीशा रखने या टिकाने की कोई जगह नहीं थी। तब मैंने उनके लिए शीशा पकड़ा। सूरज ने मुझसे कहा- जिस पल तुमने मेरे लिए वह शीशा पकड़ा, उसी पल मुझे तुमसे प्यार हो गया। सच, वह पल हमारे लिए बेहद खास था।' *

मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं : आशीष दीक्षित

सन नियो के लोकप्रिय शो 'छठी मैया की बिटिया' में कार्तिक का किरदार निभा रहे आशीष दीक्षित अपनी वैलेंटाइन श्वेता कनोजे से पहली मुलाकात को याद करते हुए बताते हैं, 'श्वेता से मेरी पहली मुलाकात बड़ौदा के राजवंत पैलेस में एक हॉरर फिल्म के सेट पर हुई थी। वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। मुंबई लौटने के बाद हमने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। करीब तीन साल तक एक-दूसरे को जानने-समझने के बाद हमें अहसास हुआ कि हमारा प्यार इतना मजबूत है कि हमें शादी कर लेनी चाहिए। अपनी पार्टनर के साथ किसी यादगार रोमांटिक मोमेंट के बारे में पूछने पर आशीष बताते हैं, 'मैं एक शो शूट कर रहा था। उस दौरान मुझे करीब चार-पांच दिन की छुट्टी मिली थी। मैंने और श्वेता ने सोचा कि इस समय को खास बनाया जाए, इसलिए हम गोवा घूमने चले गए। वहां बिताया हुआ हर पल अनोखा था! समंदर किनारे टहलना, कैंडल लाइट डिनर, रोमांटिक शामें और ढेर सारी मस्ती, न कोई टेंशन थी, न कोई भागदौड़... हर लम्हा बेहद खास था। सच कहूं, तो मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं।' *

सायक का साथ मेरे लिए अनमोल है : विदिशा श्रीवास्तव

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाबी जी घर पर हैं' में अनीता मिश्रा के रोल में दिख रहीं विदिशा श्रीवास्तव की अपने हमसफर सायक पॉल के साथ पहली मुलाकात शो के सेट पर ही हुई थी। विदिशा बताती हैं, 'पहले हमारे बीच सिर्फ हल्की-फुल्की बातें होती थीं, फिर बाद में यह बातचीत लंबी चलने लगी। हम एक-दूसरे की पसंद-नापसंद समझने लगे। हमारी सोच, हमारे विचार और जीवन को देखने का नजरिया काफी हद तक मिलता-जुलता था। जब भी हम साथ होते, सब कुछ बहुत खुशनुमा लगने लगता। यहीं से हमारी दोस्ती ने प्यार का खूबसूरत सफर तय करना शुरू कर दिया।'

अपनी लव-लाइफ के खूबसूरत मोमेंट्स को याद करती हुई विदिशा कहती हैं, 'जो लम्हा मेरे दिल के सबसे करीब है, वह मेरी बेटी के जन्म का है। जब मैं मां बनी, उस समय सायक पूरे समय मेरे साथ रहते थे। उस पल उनकी आंखों में जो प्यार और अपनत्व था, वह मैं कभी नहीं भूल सकती। मेरे हर दर्द, हर खुशी में उन्होंने मेरा हाथ थामे रखा। मैं खुशनसीब हूं कि मुझे सायक जैसा हमसफर मिला। उनका साथ मेरे लिए बहुत अनमोल है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

{ बड़ा पर्दा / कैलाश सिंह }

लव स्टोरीज के जिक्र के बिना हिंदी फिल्मों का ब्योरा अधूरा ही रहता है। शुरुआती दौर से अब तक ऐसी बेशुमार फिल्में बनती रही हैं। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें प्यार को बिल्कुल नए अंदाज में पेश किया गया। ऐसी ही पांच फिल्मों पर एक नजर।

5 ट्रेडिशनल लव स्टोरीज से इतर रोमांटिक फिल्में

दर्शकों को खूब भाया 'मनमर्जियां' का लव एंगल

एकतरफा प्यार पर बनी 'ऐ दिल है मुश्किल'

बॉलीवुड में प्यार और रोमांस पर आधारित जितनी फिल्में बनी हैं, उतनी किसी अन्य विषय पर नहीं बनीं। इनमें अधिकतर फिल्में प्रेम त्रिकोण पर, गरीब लड़का-अमीर लड़की या अमीर लड़का-गरीब लड़की, दो दुश्मन खानदानों के बच्चों के बीच प्रेम हो जाने जैसे विषयों के इर्द-गिर्द घूमती हैं। क्लासिकल प्रेम कथाओं जैसे, 'लैला-मजनू', 'सोनी-महिवाल', 'हीर-रांझा' आदि से इतर हाल के सालों में कुछ ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जो दर्शकों के मन में ठहर गई हैं।

पर्दे पर दिखते हैं प्यार के नए स्वरूपः बदलते वक्त के साथ फिल्म मेकर्स ने अपनी फिल्मों में प्यार को बदलते दौर के अनुसार प्रेजेंट करने का भी प्रयास किया है। आधुनिक फिल्मकार अलग-अलग तरह से प्रेम को परिभाषित कर रहे हैं। उनका ये एक्सपेरिमेंट इतना रियलिस्टिक होता है कि कई बार दर्शक फिल्म के कैरेक्टर्स में अपना ही अक्स देखने लग जाते हैं।

मैरिड लव का अलग एंगल दिखाती दम लगा के हईशाः साल 2015 में रिलीज फिल्म 'दम लगा के हईशा' में मैरिड रोमांस का एक अलग ही एंगल दिखाया गया है। प्रेम (आयुष्मान खुराना) एक स्कूल ड्रॉप आउट है, जिसकी एक उच्च शिक्षित लेकिन ओवरवेट लड़की संध्या (भूमि पेडनेकर) से शादी हो जाती है। प्रेम को अपनी मोटी पत्नी पर शर्म आती है और वह उस पर फब्तियां कसता रहता है। इससे दोनों एक-दूसरे के करीब नहीं आ पाते हैं, फिर भी दोनों एक दौड़ में साथ हिस्सा लेने के लिए तैयार हो जाते हैं और इसी कोशिश में वह एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं।

साधारण लेकिन अर्थपूर्ण कहानी के साथ निर्देशक शरत कटारिया ने शानदार काम किया है। भूमि और आयुष्मान ने भी अपने-अपने अभिनय से प्रभावित किया है।

मनमर्जियां में दिखा प्यार का नया विजनः अनुराग कश्यप की यह फिल्म उनकी बाकी फिल्मों से कई मायने में अलग है। साल 2018 में रिलीज हुई 'मनमर्जियां' वैसे तो परंपरागत प्रेम त्रिकोण पर ही आधारित है, लेकिन इसे नए युग की प्रेम कथा के तौर पर प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में मुख्य भूमिकाएं तापसी पन्नू, अभिषेक बच्चन और विक्की कौशल की हैं। फिल्म में प्रेम और संबंधों का एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, जो दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर जाता है। 'मनमर्जियां' उस उलझन और उन भावनाओं को व्यक्त करती है, जो प्रेम में पड़े एक व्यक्ति के सामने आती हैं। रूमी (तापसी पन्नू) और विक्की (विक्की कौशल) को एक-दूसरे से प्यार है, लेकिन जब शादी की बात आती है तो विक्की के हाथ-पैर फूल जाते हैं, वह जिम्मेदारी उठाने से बचता है और इस विषय को टाल जाता है। रूमी जीवन में सैटल होना चाहती है, लेकिन जब वह देखती है कि उसका प्रेम तार्किक मंजिल (शादी) पर नहीं पहुंचने वाला है, तो वह अपने प्रेम का त्याग कर देती है और रोबी (अभिषेक बच्चन) से अरेंज मैरेज करने के लिए तैयार हो जाती है। विक्की के बारे में जानने के बावजूद रोबी रूमी से प्यार करने लगता है। इसके बाद की कहानी इस बात को लेकर आगे चलती है कि ये तीनों अपने-अपने प्रेम का किस तरह से सामना करते हैं?

एकतरफा प्यार की कहानी ऐ दिल है मुश्किलः हममें से शायद ही कोई हो, जिसे अपने जीवन में कम से कम एक बार एकतरफा प्यार न हुआ हो। करण जौहर की साल 2016 में रिलीज 'ऐ दिल है मुश्किल' एक तरफा प्रेम पर ही आधारित फिल्म है। इसमें मुख्य भूमिकाएं रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा, ऐश्वर्या राय बच्चन और फवाद खान की हैं। अयान (रणबीर कपूर) की अलिजेह (अनुष्का शर्मा) से दोस्ती फिर उससे प्रेम हो जाता है, लेकिन अलिजेह प्यार का कोई जज्बा महसूस नहीं करती है। अयान अपने एक तरफा प्रेम का किस तरह से सामना करता है, यही कहानी का निचोड़ है। यह फिल्म हमें रुलाती है, हंसाती है और इसके पात्रों से हमें प्यार हो जाता है, क्योंकि उनमें हम अपना ही रूप देख रहे होते हैं।

प्यार-खुशी-दिल टूटने की कहानी बर्फीः अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म 'बर्फी' (2012) की कहानी इतनी सच्ची लगती है कि इसको जितनी बार भी देख लो दिल पिघल जाता है। यह फिल्म प्यार, खुशी और दिल टूटने से भरी हुई है। बर्फी (रणबीर कपूर) मूक-बधिर व्यक्ति है, जिसे श्रुति (इलियाना डिक्रूज) से प्यार हो जाता है, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण श्रुति को किसी अन्य व्यक्ति से शादी करनी पड़ जाती है। वर्षों बाद श्रुति को मालूम होता है कि बर्फी, झिलमिल (प्रियंका चोपड़ा) से प्यार कर रहा है, जोकि एक ऑटिस्टिक लड़की है, तब वह अपने विवाह पर पुनःविचार करती है।

नॉनट्रेडिशनल-अट्रैक्टिव लव स्टोरी लुटेराः ओ हेनरी की कहानी 'द लास्ट लीफ' पर आधारित फिल्म 'लुटेरा' बनी है, जोकि बहुत परिपक्व प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। आत्मानंद त्रिपाठी (रणवीर सिंह) एक जालसाज है और पाखी (सोनाक्षी सिन्हा) एक जमींदार की बेटी है। कहानी इन दोनों के इर्द-गिर्द ही घूमती है। पाखी के साथ धोखाधड़ी होती है। पाखी पीड़ित होने के बावजूद जालसाज के प्रति आकर्षित होने लगती है। इस खामोश प्रेम को दोनों महसूस करते हैं, लेकिन इस प्यार की कोई मंजिल नहीं है। यह गैर-परंपरागत प्रेमकथा होने के बावजूद दर्शकों पर गहरा असर छोड़ती है। *